



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



यंग भारत
तेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण

दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ

प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

वर्ष-14 अंक-289

कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में

उरई (जालौन) गुरुवार 01 अक्टूबर 2026

youngbharatepaper.com

भाजपा का ‘ब्राह्मण दांव’! 11 में 5 टिकट इसी समाज को, 2027 विधानसभा चुनाव से पहले क्या है सियासी संदेश?



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज़)
विधान परिषद की शिक्षक और स्नातक सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए भाजपा ने 11 उम्मीदवारों की सूची पूरी कर दी है. इनमें पांच उम्मीदवार ब्राह्मण समुदाय से हैं. बाकी उम्मीदवारों में दो ठाकुर और एक-एक कुर्मी, सिख, तेली और वैश्य समुदाय से बताए गए हैं. ऐसे में टिकट बंटवारे में ब्राह्मण प्रतिनिधित्व प्रमुखता से नजर आ रहा है. इन 11 सीटों पर मतदान 23 अक्टूबर को होना है और 27 अक्टूबर को मतगणना होगी. भाजपा ने पहले घोषित पांच उम्मीदवारों में भी ब्राह्मण चेहरों को महत्वपूर्ण जगह दी थी. लखनऊ



शिक्षक सीट से उमेश द्विवेदी, मेरठ शिक्षक सीट से श्रीचंद शर्मा और बरेली-मुरादाबाद शिक्षक सीट से हरि सिंह बिल्लों को दोबारा मौका दिया गया. वहीं लखनऊ स्नातक सीट से अवनीश कुमार सिंह और आगरा स्नातक सीट से मानवेंद्र प्रताप सिंह को प्रत्याशी बनाया गया था. इन सभी को पार्टी ने मौजूदा एमएलसी के तौर पर फिर मैदान में उतारा. भाजपा ने बाद में छह और सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित किए. इनमें वाराणसी शिक्षक सीट से डॉ. प्रमोद मिश्रा और आगरा शिक्षक सीट से हरिकिशोर तिवारी के नाम

शामिल हैं. वाराणसी स्नातक से केदारनाथ सिंह, मेरठ स्नातक से दिनेश गोयल, इलाहाबाद-झांसी स्नातक से अशोक कुमार राठी और गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट से ध्रुव त्रिपाठी को टिकट मिला. इस तरह पूरी सूची में ब्राह्मण प्रतिनिधित्व चर्चा का प्रमुख बिंदु बना है. एमएलसी चुनाव के टिकट बंटवारे को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के सामाजिक और संगठनात्मक समीकरणों के संदर्भ में देखा जा रहा है. राजनीतिक रिपोर्टों में भाजपा के टिकट वितरण में सवर्ण प्रतिनिधित्व और सपा के पीडीए आधारित उम्मीदवार चयन की तुलना भी की गई है. हालांकि किसी खास समुदाय की नाराजगी को टिकट वितरण का सीधा कारण मानने के लिए पार्टी की ओर से स्पष्ट आधिकारिक बयान जरूरी होगा. इसलिए इस पहले के राजनीतिक अर्थों को विश्लेषण के रूप में ही देखा जाना चाहिए. 11 सीटों के उम्मीदवारों में पांच ब्राह्मण चेहरों

की मौजूदगी ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में भाजपा के ब्राह्मण समीकरण को लेकर चर्चा तेज कर दी है. शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता सीधे शिक्षा, विश्वविद्यालयों और पेशेवर वर्गों से जुड़े होते हैं. ऐसे में इन सीटों पर सामाजिक प्रतिनिधित्व के साथ स्थानीय संगठन और उम्मीदवारों की व्यक्तिगत पकड़ भी महत्वपूर्ण होगी. चुनाव परिणाम ही बताएंगे कि अलग-अलग सामाजिक समूहों के बीच यह उम्मीदवार चयन किस तरह चुनावी नतीजों में दिखाई देता है. उत्तर प्रदेश की शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की 11 विधान परिषद सीटों पर 23 अक्टूबर को मतदान निर्धारित है, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर को होगी. इनमें आठ सीटें वर्तमान में भाजपा के पास और तीन समाजवादी पार्टी के पास बताई गई हैं. दोनों प्रमुख दलों ने सभी 11 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं. ऐसे में भाजपा के पांच ब्राह्मण उम्मीदवारों वाला सामाजिक समीकरण चुनावी मुकाबले के दौरान चर्चा में बना रह सकता है.

लड़कियों की औकात 20 हजार रुपये है? मर्दों वाले तीखे नारों के साथ पूछ रही दिल्ली की छात्राएं

(यंग भारत न्यूज़)

एक बार फिर दिल्ली की लड़कियां सड़कों पर हैं. विरोध की आवाजें फिर से ऊंची हो रही हैं. प्रदर्शनों में उठ रहे सवाल और भी तीखे हो रहे हैं. मर्दों पर दिए जा रहे नारे मर्द समाज को फिर से कटघरे में खड़ा कर रहा है. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि अचानक आखिर दिल्ली की छात्राओं का यह गुस्सा क्यों फूट पड़ा है?



दरअसल हाल ही में कालकाजी मंदिर के पास स्थित आस्था कुंज पार्क में एक 17 वर्षीय लड़की के साथ रेप की घटना ने पूरी दिल्ली को झकझोर दिया है. यही विवाद है कि कॉलेज जाने वाली छात्राओं में महिला सुरक्षा को लेकर गुस्सा और चिंता बढ़ती जा रही है. घटना के विरोध में दिल्ली के अलग-अलग कॉलेजों में छात्राएं प्रदर्शन कर रही हैं और महिला सुरक्षा को लेकर अपनी आवाज बुलंद कर रही हैं.

इन प्रदर्शनों में छात्राओं के नारे और स्लोगन खास तौर पर ध्यान खींच रहे हैं. छात्राएं सवाल उठा रही हैं कि आखिर

दिल्ली में लड़कियां कितनी सुरक्षित हैं और महिलाओं की सुरक्षा के लिए व्यवस्था किस स्तर पर काम कर रही है. प्रदर्शन कर रही छात्राओं का गुस्सा सिर्फ घटना तक सीमित नहीं है. वे कानून, न्याय और समाज के रवैये पर भी सवाल उठा रही हैं. छात्राओं का कहना है कि रेप जैसे गंभीर मामलों में आरोपी को जमानत मिलने के बाद उनके मन में न्याय और सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े होते हैं. एक छात्रा ने सवाल उठाते हुए कहा, 'लड़के रेप करने के बाद 20 हजार की बेल पर छूट जाते हैं, क्या लड़कियों की औकात सिर्फ 20 हजार रुपये की है?'

छात्राओं का कहना है कि जब कोई घटना होती है तो अक्सर लड़कियों को ही समझाया जाता है कि वे घर से बाहर न निकलें, सावधानी बरतें और अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें. लेकिन उनके मुताबिक सवाल यह भी होना चाहिए कि लड़कों को महिलाओं के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी का व्यवहार करने के लिए कैसे जवाबदेह बनाया जाए. प्रदर्शन में छात्राओं ने समाज की उस मानसिकता पर भी सवाल उठाया, जिसमें उनके मुताबिक लड़कियों को बराबरी के इंसान के बजाय एक 'ऑब्जेक्ट' की तरह देखा जाता है. उनका कहना है कि महिला सुरक्षा के नाम पर सिर्फ लड़कियों पर पाबंदियां लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा. कॉलेज कैंपस से लेकर सड़कों तक उठ रही छात्राओं की आवाज अब महिला सुरक्षा, न्याय और जवाबदेही के बड़े सवालों में बदलती दिखाई दे रही है.

धुर वामपंथी सोच वाले कांग्रेस के बड़े नेता संदीप सिंह को राहुल गांधी ने कैसे किनारे किया कांग्रेस प्रियंका गांधी के मेंटोर माने जाते थे संदीप सिंह

(यंग भारत न्यूज़)
नई दिल्ली। धुर वामपंथी सोच वाले कांग्रेस के बड़े नेता संदीप सिंह को आखिर कांग्रेस के बड़े नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कैसे कांग्रेस से साइड लाइन कर दिया। क्या है इसकी खास वजह। पिछले एक दशक से कांग्रेस के शीर्ष नेताओं में खास तौर से कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी सांसद प्रियंका गांधी और कांग्रेस के शिखर नेता नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बहुत करीब रह चुके तथा पार्टी संगठन और पार्टी के आंदोलन में अपनी राय से कांग्रेस के नेतृत्व को अरसे से प्रभावित करने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ और चर्चित नेता संदीप सिंह का अतीत

वामपंथी राजनीति से गहराई से जुड़ा रहा है वह जेएनयू में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की युवा विंग आइशा से गहराई से और लंबे अरसे से जुड़े रहे, संदीप सिंह वर्ष 2007 में आइशा के बैनरतले जेएनयू में छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए थे उन्हें एक अच्छा वक्ता संगठन कार्यों में दक्ष माना जाता है। इसके पूर्व वर्ष 2005 में जब प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जेएनयू के द्वारे पर आए थे तो समाज चौक से भी अन्ना हजारे के आंदोलन से भी जुड़े और उसके बाद कांग्रेस में आए। वर्ष 2017 में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की टीम से जुड़े और उनके भाषणों को लिखने का काम करते रहे इससे उनका कांग्रेस में एक नई पहचान मिली ?। इसके बाद वर्ष



2019 में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता नेत्री प्रियंका गांधी के सक्रिय राजनीति में आने के बाद वह उनसे जुड़े और फिर उनकी टीम का प्रमुख हिस्सा हो गये। बताया जाता है प्रियंका गांधी जब कांग्रेस की



राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी बनी तो संदीप सिंह को उनका मेंटोर के रूप में देखा जाने लगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय को बिना संदीप सिंह के पूछे नहीं लेती थी और जो भी संदीप सिंह

के विरुद्ध कुछ बात कहता था प्रियंका गांधी उससे नाराज हो जाती थी उसे साइड लाइन कर देती थी। बाद वर्ष 2018 की है जब कांग्रेसमें अप संगठन में संदीप सिंह का प्रभाव साफ-साफ दिखाई देने लगा था। इस समय एनएसयूआई के एक वरिष्ठ नेता नेतृत्व के सामने यह सवाल उठाया था की संदीप सिंह कांग्रेस के बड़े नेता होने के बावजूद जेएनयू में आइशा के नेताओं से

कांग्रेस की छात्र यूनियन एनएसयूआई से जुड़ने की जगह वह वामपंथी संगठनों से ही जुड़े रहने को सलाह दे रहे थे उनकी यह सलाह खुलकर कांग्रेसी नेताओं के सामने आ गई। 2020 में कांग्रेस के यूपी के पुराने नेताओं ने आरोप लगाया। प्रियंका गांधी की टीम में आइशा और जेएनयू के लोगों का वर्चस्व अधिक होने लगा जैसे भी कांग्रेस में विरोध की स्थितियों पनपने लगी। इसके अलावा कांग्रेस के पुराने नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में संदीप सिंह के ऊपर यह आरोप लगे कि वह कांग्रेस के नेताओं को प्रियंका गांधी के पास जोड़ने से निर्यात्रित करने लगे थे। इसके अलावा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष

राष्ट्रीय महामंत्री कांग्रेस का एक राष्ट्रीय महामंत्री नेवी संदीप सिंह के कारण कांग्रेस की चुनाव में और संगठन में हो रही बदतर हालत के लिए भी संदीप सिंह को दोस्ती ठहराया इसका परिणाम यह हुआ कि कांग्रेस के अंदर पुराने कांग्रेसियों का विरोध के चलते का राहुल गांधी को भी यह मानना पड़ा की संदीप सिंह के कारण पार्टी को बहुत नुकसान उठाना पड़ा है इसलिए उनको संगठन से किनारा कर दिया जाए और इसी के चलते राहुल गांधी ने संगठन से धीरे-धीरे संदीप सिंह को आउट कर दिया वह प्रतापगढ़ से आईसीसी के मेंबर जरूर है लेकिन कांग्रेस में अब उनका वह प्रभाव राहुल गांधी ने खत्म कर दिया है।

संसद-विधानसभा में खाता खाली, लेकिन बैंक में रखा है करोड़ों का खजाना-चैका देगी मायावती की पार्टी का सच

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज़)

देश की राजनीति में इन दिनों बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के अस्तित्व को लेकर चर्चाओं का बाजार काफी गर्म है। राज्यों की विधानसभाओं और देश की संसद में लगातार घटती सीटों के बीच बसपा के सामने एक बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा हो गया है। देश की राजनीति में इन दिनों बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के अस्तित्व को लेकर चर्चाओं का बाजार काफी गर्म है। राज्यों की विधानसभाओं और देश की संसद में लगातार घटती सीटों के बीच बसपा के सामने एक बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा हो गया है। उत्तर प्रदेश में पार्टी के एकमात्र विधायक के निधन के बाद अब विधानसभा में पार्टी का खाता पूरी तरह खाली हो चुका है, जबकि राज्यसभा में भी कार्यकाल समाप्त होने के बाद संसद के दोनों सदनों में बीएसपी का कोई भी प्रतिनिधि नहीं बचेगा। आपको बता दें कि साल 1989 के बाद यह इतिहास में पहला ऐसा मौका है जब बसपा संसद और विधानसभा दोनों ही जगहों पर पूरी तरह अनुपस्थित रहने की कगार पर आ गई है। इस गंभीर राजनीतिक संकट के बीच सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर बिना किसी विधायक

और सांसद के बसपा अपनी वित्तीय व्यवस्थाएं कैसे चला रही है और उसके पास इतना भारी-भरकम फंड आखिर कहाँ से आ रहा है ? दिवंगत कांशीराम द्वारा साल 1984 में स्थापित बहुजन समाज पार्टी का मूल राजनीतिक सिद्धांत हमेशा से ' जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी ' रहा है। पार्टी ने दशकों तक उत्तर प्रदेश सहित देश के कई अन्य राज्यों में अपना भारी राजनीतिक प्रभाव दिखाया है। हालांकि, पिछले एक दशक से पार्टी का जनाधार काफी कमजोर हुआ है और आगामी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से पहले उसके सामने अपनी राजनीतिक जमीन वापस पाने की बड़ी चुनौती है। इसके बावजूद, राजनीतिक रूप से जमीन खिसकने के बावजूद पार्टी की वित्तीय स्थिति आज भी बेहद मजबूत बनी हुई है। उत्तर प्रदेश में प्रतिनिधित्व पूरी तरह शून्य होने के बाद भी बसपा ने सिर्फ एक साल के भीतर करीब 58.58 करोड़ रुपये की भारी-भरकम आय दर्ज की है, जो कई अन्य क्षेत्रीय दलों से कहीं ज्यादा है। चुनाव आयोग को सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान देश की 6 राष्ट्रीय पार्टियों को कुल 11,343 करोड़ रुपये का चंदा प्राप्त हुआ था। इसमें से अकेले 6,648.563 करोड़ रुपये 20 हजार रुपये से अधिक मूल्य के बड़े चंदों के रूप



में मिले थे। इस पूरी वित्तीय रिपोर्ट में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि बसपा ने आधिकारिक तौर पर यह घोषणा की है कि उसे इस दौरान 20 हजार रुपये से अधिक का एक भी चंदा नहीं मिला है। पिछले दो दशकों के राजनीतिक इतिहास में यह पहला अवसर है जब बसपा ने 20 हजार से ऊपर के चंदे में पूरी तरह 'शून्य' राशि दिखाई है, जबकि इससे पहले पार्टी ऐसे बड़े चंदों का विवरण लगातार चुनाव आयोग को देती आ रही थी। चुनाव आयोग

को सौंपे गए आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक, मार्च 2024 में बसपा का कुल फंड 739 करोड़ रुपये था, जो वित्तीय वर्ष के अंत यानी मार्च 2025 तक घटकर 666 करोड़ रुपये रह गया। वित्तीय आंकड़े बताते हैं कि 31 मार्च 2025 तक पार्टी के पास कुल 61.52 करोड़ रुपये की भौतिक संपत्ति दर्ज थी। इस अचल और चल संपत्ति में पार्टी के कार्यालयों और इमारतों की कुल कीमत 23.40 करोड़ रुपये, आवासीय प्लेट और घरों का मूल्य 9.99

करोड़ रुपये, जमीन 1.76 करोड़ रुपये, फर्नीचर व फिक्स्ड आइटम 5.65 करोड़ रुपये तथा 13.30 करोड़ रुपये की लगजरी गाड़ियां शामिल हैं। पार्टी ने अपने इस विशाल फंड को देश के कुल 8 अलग-अलग बैंकों के खातों में सुरक्षित रखा हुआ है। बसपा की सालाना कमाई का सबसे बड़ा और मुख्य हिस्सा बैंकों में जमा फिफ्ट डिपॉजिट (स्लैड) पर मिलने वाले ब्याज से आता है। वर्ष 2024-25 के दौरान पार्टी को कुल 58.58 करोड़ रुपये की कमाई हुई, जिसमें से अकेले 46.28 करोड़ रुपये केवल बैंक खातों में जमा पैसों के भारी-भरकम ब्याज के रूप में मिले। इसके अलावा, कार्यकर्ताओं से मिलने वाले सदस्यता शुल्क के जरिए पार्टी को 12.30 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जो बीते वर्ष के 26.59 करोड़ रुपये की तुलना में कम है। वहीं, पार्टी ने अपनी कुछ पुरानी संपत्तियों को बेचकर भी 1.41 करोड़ रुपये जुटाए। बसपा की नीति हमेशा से यह रही है कि वह बड़े कॉर्पोरेट घरानों से चंदा लेने के बजाय कार्यकर्ताओं के छोटे योगदान और मेंबरशिप फीस को ही अपनी असली

ताकत मानती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान बसपा ने अपनी कुल आमदनी से काफी ज्यादा पैसा खर्च किया। चुनाव आयोग को दी गई रिपोर्ट बताती है कि इस अवधि में पार्टी ने विभिन्न चुनावों और सांगठनिक गतिविधियों में कुल 84.46 करोड़ रुपये खर्च किए। इसके अलावा, पार्टी के नियमित कामकाज और सामान्य व्यवस्थाओं पर 21.04 करोड़ रुपये तथा अन्य विविध मदों में 64 लाख रुपये खर्च हुए। इस प्रकार साल भर में बसपा का कुल खर्च 106 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कुल आमदनी (58.58 करोड़ रुपये) की तुलना में 47.71 करोड़ रुपये अधिक खर्च होने के कारण पार्टी के कुल कॉर्पस फंड में इस बार गिरावट दर्ज की गई है। बसपा प्रमुख मायावती हमेशा से यह तर्क देती आई हैं कि कॉर्पोरेट फंडिंग से पूरी तरह दूर रहकर ही वंचितों और शोषितों के असली हितों की बात की जा सकती है। इसी सोची-समझी रणनीति के तहत जब देश में इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए राजनीतिक फंडिंग का दौर चला, तब भी बसपा ने उससे पूरी तरह दूरी बनाए रखी और शून्य रुपये की प्राप्ति दिखाई। हालांकि, विरोधी दल अक्सर पार्टी पर टिकट वितरण में पैसों के लेन-देन के गंभीर आरोप लगाते रहे हैं, जिसे बसपा हमेशा से सिरे से खारिज करती आई है।

पागल कुत्ते के काटने के बाद मानसिक हालत बिगड़ी, काली मां के स्थान पर बुजुर्ग ने बांके से काटा गला

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर: उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के थाना सचेंडी क्षेत्र धीरपुर में मंगलवार भोर एक बुजुर्ग ने काली मां के स्थान पर बांके से गला काटकर आत्महत्या कर ली. परिजनों के मुताबिक, 14 सितंबर को गांव में एक पागल कुत्ते ने उन्हें काट लिया था.

इसके बाद से उनकी मानसिक हालत खराब रहने लगी थी. सोमवार रात हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें हैलट अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताई थी. रात में ही घर वापस ले आए. मंगलवार भोर वह घर से करीब 300 मीटर दूर स्थित काली मां के स्थान पर पहुंचे और जान दे दी. घटना की जानकारी होते ही गांव में हड़कंप मच गया. बिधनु थाना क्षेत्र के धीरपुर गांव निवासी शैलेश कुमार ने बताया कि उनके मामा रामआसरे (57) उनके साथ रहते थे. रामआसरे गांव में ही ट्यूबवेल के पास झोपड़ी बनाकर



रहकर खेती-किसानी करते थे. परिवार में उनकी मां सुखरानी और पिता मुन्नी लाल हैं.

शैलेश के मुताबिक, 14 सितंबर को गांव में घूम रहे एक पागल कुत्ते ने रामआसरे के चेहरे पर काट लिया था. इसके बाद उन्हें सीएचसी ले जाकर रेबीज का इंजेक्शन लगवाया गया. करीब तीन दिन पहले उनकी हालत ज्यादा बिगड़ गई

तो परिजनों ने सीएचसी में भर्ती कराया. वहां से डॉक्टरों ने उन्हें हैलट रेफर कर दिया. परिजनों के अनुसार, सोमवार रात सीएचसी ले गए जहां से डॉक्टरों ने हैलट के रेफर कर दिया. हैलट में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत गंभीर बताने पर परिजन उन्हें वापस घर ले आए. शैलेश ने बताया कि इस दौरान रामआसरे बार-बार काली मां के स्थान पर जाकर गला

काटकर बलि देने की बात कह रहे थे. मंगलवार भोर करीब पांच बजे वह घर से निकलकर करीब 300 मीटर दूर स्थित काली मां के स्थान पर पहुंच गए. वहां बांके से अपना गला काट लिया. शैलेश ने बताया कि जिस कुत्ते ने उनके मामा रामआसरे को काटा था, वह गांव में करीब 10 लोगों को अपना शिकार बना चुका था. इनमें सरवन, संत सिंह ठाकुर और शशिपाल समेत अन्य ग्रामीण शामिल थे. बाद में ग्रामीणों ने कुत्ते को मार दिया था. परिजनों का कहना है कि कुत्ते के काटने के बाद से ही रामआसरे की मानसिक हालत लगातार बिगड़ रही थी. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस मामले की जांच कर रही है. पुलिस अधिकारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

सपा के 25 विधायक... सरप्राइज तो हम देंगे', केशव मौर्य ने बढ़ा दी अखिलेश की टेंशन?

(यंग भारत न्यूज)

यूपी राज्यसभा चुनाव 2026 को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और विपक्षी दल समाजवादी पार्टी में सियासी खींचतान तेज है. उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अब एक ऐसा दावा कर दिया है जिससे अखिलेश यादव भी सोच में पड़ गए हैं.

दरअसल, एक ओर सपा प्रमुख ने राज्यसभा चुनाव के लिए तीन उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करने की बात कही है और दावा किया है कि सपा का तीसरा कैंडिडेट बीजेपी विधायकों की क्रॉस वोटिंग से जीतेगा, क्योंकि कई बीजेपी विधायक उनके संपर्क में हैं. वहीं, अब जवाब में केशव प्रसाद मौर्य ने भी बड़ा दावा कर दिया है. यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का कहना है, 'सरप्राइज तो हम देंगे. समाजवादी पार्टी के 25 विधायक हमारे संपर्क में भी हैं.'



मौर्य ने चेतावनी देने के लहजे में कहा है कि कहीं अखिलेश यादव तीन सांसद जिताने के चक्कर में एक सांसद गंवा न दें. उन्होंने कहा कि बीजेपी पूरी तरह से तैयार है. अखिलेश अपनी तैयारी करें, हमारी अपनी तैयारी है. सरप्राइज तो हम देंगे. वहीं, इंडिया अलायंस की बैठक पर भी

केशव प्रसाद मौर्य ने तंज कसा. उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बिखर चुका है और उसमें एकता नाम की कोई चीज नहीं है. इनके बिखरने का दृश्य पूरा देश देख चुका है. चुनाव में जब ये पराजित हो जाते हैं तो चुनाव आयोग और ईवीएम को दोष देते हैं. जब जीत जाते हैं तो बीजेपी की

लोकप्रियता घटने का दावा करते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ग्राफ गिर रहा है, ऐसी बातें करते हैं. इसका जवाब जनता देगी. अभी 2027 विधानसभा चुनाव में ही इंडिया अलायंस को जवाब मिल जाएगा. कांग्रेस और उनका जो गठबंधन है, वो टुकड़े-टुकड़े हो चुका है. सब समय बताएगा.

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा की रथयात्रा पर कहा, 'पहले तो आप जान लीजिए कि ना तो देश में 2047 तक कांग्रेस आने वाली है और ना उत्तर प्रदेश में 2047 तक समाजवादी पार्टी आने वाली है. मुंगेरि लाल का हसीन सपना देखने से किसी को कोई नहीं रोकता है. देखें, अच्छे-अच्छे सपने... लेकिन जब 2027 का रिजल्ट आएगा, तो अभी से यह स्क्रिप्ट तैयार कर रहे हैं कि हार जाएंगे तो क्या आरोप लगाएंगे. इनके पास केवल यही है कि अच्छी स्क्रिप्ट तैयार कर लें.'

वकीलो ने पुलिस के खिलाफ खोला मोर्चा, आम सभा की बैठक में लिया गया निर्णय

(यंग भारत न्यूज)

कोंच वकीलों ने पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यह फैसला आमसभा की बैठक में लिया गया। एक अधिवक्ता द्वारा बार एसोसिएशन को दिए गए एक प्रार्थना पत्र के परिप्रेक्ष्य में यह बैठक बुलाई गई थी। अधिवक्ता ने पुलिस पर उनके साथ अभद्रता किए जाने का आरोप लगाया है। बैठक में तय हुआ कि वकीलों का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सीओ से वार्ता कर दोषी पुलिसजनों पर कार्रवाई की मांग करेगा, अन्यथा की स्थिति में आगे की रणनीति तय की जाएगी। तहसील परिसर स्थित बार भवन विजय बारहदरी में मंगलवार दोपहर बार एसोसिएशन की आमसभा की बैठक अध्यक्ष जितेंद्र सिंह गुर्जर की अध्यक्षता और महामंत्री अभिनीत श्रीवास्तव के संचालन में संपन्न हुई। बैठक में अधिवक्ता दीप कुमार अग्रवाल द्वारा दिया गया प्रार्थना पत्र आमसभा के पटल पर रखा गया जिसमें दीप कुमार ने बताया कि 27 सितंबर की रात करीब 9 बजे सिपाहियों ने उनके साथ अभद्रता की। यहां तक कि अधिवक्ता ने पुलिस पर उनको थप्पड़ जड़ने का भी आरोप लगाया। बैठक में तय हुआ कि वकीलों का एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें अध्यक्ष जितेंद्र सिंह गुर्जर, महामंत्री अभिनीत श्रीवास्तव, विनोद अग्निहोत्री, केके श्रीवास्तव, संजीव तिवारी और राघवेंद्र सिंह को शामिल किया गया है, बुधवार को सीओ से मुलाकात कर उन पुलिसजनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करेगा जिन्होंने अधिवक्ता दीप कुमार के साथ अभद्रता की है। अन्यथा की स्थिति में बार एसोसिएशन के पास आगे की रणनीति बनाने के विकल्प खुले हैं। इस दौरान श्रीराम गुप्ता, वीरेंद्र जाटव, राजेंद्र जाटव, रामशरण कुशवाहा, अवधेश द्विवेदी, पुरुषोत्तम रिछारिया, प्रमोद गुप्ता, माता प्रसाद अहिरवार, विश्वंभर दयाल जाटव, हल्के सिंह बघेल, चंद्रभान निरंजन, जीतू यादव, तेजराग जाटव, जितेंद्र पांडे, रामनरेश त्रिपाठी, संतोष नायक, अमित श्रीवास्तव, अमित रावत, अमरखाबू पाठक, दीपक मिश्रा, प्रधव मिश्रा, अश्विनी दुवे, रामलखन कुशवाहा आदि मौजूद रहे। इस मामले में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निगवेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि यह मामला अधिवक्ता और उनकी दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी मोहित वर्मा के बीच लेनदेन को लेकर है जिसमें मोहित ने यूपी 112 पर कॉल करके पीआरबी को बुलाया था और अधिवक्ता ने जब पीआरबी से अभद्रता की तो उन्होंने संबंधित चौकी इंचार्ज को बुला लिया था। पुलिस ने किसी के साथ कोई अभद्रता नहीं की है।

नगर पालिका द्वारा नगर में फैली अव्यवस्थाओ के खिलाफ रामलीला समिति ने दिया एसडीएम को प्रार्थनापत्र

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर पालिका परिषद कोंच की व्यवस्थाओं को लेकर धर्मदा रक्षणी सभा द्वारा संचालित कोंच की विरह विख्यात रामलीला का मंचन कराने वाली रामलीला समिति ने नगरपालिका की अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव पर अभद्रता करने का गंभीर आरोप लगाया है। बुधवार को उपजिलाधिकारी अभिनव कुमार

यादव को शिकायती पत्र देकर व्यवस्था बिगाड़ने का भी आरोप लगाते हुए समय रहते उचित कदम उठाने की मांग की है ताकि रामलीला का आयोजन सकुशल संपन्न हो सके। रामलीला समिति के मंत्री शैलेश सोनी ने सफाई और मार्ग प्रकाश व्यवस्था में लापरवाही बरतने के साथ ही शिकायतकर्ताओं से अभद्र व्यवहार करने के आरोप लगाए हैं। समिति के मंत्री का कहना है कि ईओ मोनिका

उमराव के नगर पालिका में कार्यभार ग्रहण करने के बाद से नगर की व्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं। आरोप है कि नगर में समुचित सफाई व्यवस्था नहीं है और कई स्थानों पर मार्ग प्रकाश व्यवस्था भी ठीक नहीं है। समिति ने यह भी आरोप लगाया कि पालिका के कर्मचारी मनमाने ढंग से कार्य कर रहे हैं। आरोप है कि समस्याओं की शिकायत करने पर समाधान कराने के बजाए ईओ ने शिकायतकर्ताओं के

साथ अभद्र व्यवहार किया।

शिकायती पत्र में 28 सितंबर की घटना को उल्लेख करते हुए समिति के मंत्री ने बताया कि आगामी 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले 174 वें रामलीला महोत्सव की तैयारियों को लेकर एसडीएम, सीओ, कोतवाल सहित अन्य अधिकारियों ने रामलीला मंचन स्थल और मेला स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया था। इसी दौरान समिति के पदाधिकारियों ने नगर

पालिका की ईओ को सफाई और प्रकाश व्यवस्था से संबंधित समस्याओं से अवगत कराने का प्रयास किया। आरोप है कि समस्या सुने जाने और समाधान करने के बजाए ईओ उग्र हो गई और समिति के पदाधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। समिति ने कहा कि सार्वजनिक स्थान पर हुए इस व्यवहार से पदाधिकारी आहत और क्षुब्ध हैं। समिति ने पिछले दिनों धनुतालाब में

आयोजित जलविहार कार्यक्रम का भी उल्लेख करते हुए आरोप लगाया है कि नगर पालिका की ओर से तालाब की समुचित सफाई नहीं कराई गई थी और सुनने और समाधान करने के बजाए ईओ उग्र हो गई और समिति के पदाधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। समिति ने कहा कि सार्वजनिक स्थान पर हुए इस व्यवहार से पदाधिकारी आहत और क्षुब्ध हैं। समिति ने पिछले दिनों धनुतालाब में

काराकर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा नगर की सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं में सुधार कराने की मांग की है, ताकि आगामी त्योहार और रामलीला महोत्सव शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। रामलीला मंत्री ने शिकायती पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, नगर विकास मंत्री, संस्कृति एवं सहित जिलाधिकारी को प्रेषित की है।

सौरभ हत्याकांड में मुस्कान रस्तोगी और साहिल दोषी करार, मेरठ कोर्ट का नीला ड्रम केस में बड़ा फैसला

(यंग भारत न्यूज)

मेरठ: उत्तर प्रदेश के मेरठ में बहुचर्चित नीला ड्रम केस में कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। मेरठ कोर्ट ने मामले में आरोपी मुस्कान रस्तोगी और साहिल को दोषी करार दिया है। दरअसल, सौरभ राजपूत की हत्या उसकी पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर कर दी थी। इसके बाद उसकी बॉडी को नीले ड्रम में डालकर उस पर प्लास्टर कर दिया गया। मामला खुलने के बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया। अब कोर्ट ने इस मामले में अपना फैसला सुनाया है। सजा के बिंदु पर कोर्ट अगली डेट पर अपना निर्णय



देगी। माना जा रहा है कि 15 दिन बाद इस जघन्य हत्याकांड में सजा सुनाई जा सकती है।

सौरभ राजपूत मर्डर केस का मामला मार्च 2025 में सामने आया था। 3 मार्च 2025 को सौरभ राजपूत की पत्नी मुस्कान रस्तोगी के प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर हत्या सुने जाने की खबर सामने आई। इसके बाद दोनों पुलिस को बरगलाने के लिए शिमला चले गए। शिमला से लौटे मुस्कान ने मामले का खुलासा बाद में किया। मामला 17 मार्च 2025 को मेरठ कोर्ट में पहुंचा और 30 सितंबर यानी आज 126 तरीखों और

22 से अधिक गवाहों के बयान के बाद जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा ने दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया। लंबे ट्रायल के बाद आए फैसले पर हर किसी की निगाहें टिकी हुई थी। जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा ने सौरभ हत्याकांड में मुस्कान और साहिल को दोषी करार देते हुए कहा कि आप दोनों ने मिलकर हत्या की। इसके बाद सौरभ के शव को नीले ड्रम में छिपाया। सौरभ मर्डर केस में दोनों आरोपी के खिलाफ सजा को सुरक्षित रखा गया है। अगली सुनवाई पर सजा का ऐलान होगा। सौरभ के परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ फांसी की सजा

की मांग की है। सौरभ राजपूत मर्चेंट नेवी में काम करता था। वह विदेश में रहता था। पत्नी मुस्कान रस्तोगी मेरठ में रहती थी। उसका साहिल के साथ अवैध संबंध बन गया। फरवरी के आखिर में सौरभ विदेश से मेरठ आया था। मुस्कान और साहिल को यह अच्छा नहीं लगा। दोनों ने सौरभ को अपने प्रेम संबंधों के बीच से हटाने का निर्णय लिया। सौरभ की हत्या की साजिश रची गई। दिन 3 मार्च का चुना गया। मुस्कान ने सौरभ के खाने में नींद की गोली मिला दी। सौरभ के बेहोश होते ही मुस्कान ने साहिल को घर पर बुला लिया।

रात को चोरी छुपे प्रेमिका से मिलने पहुंचा था लड़का, दोनों मिल ही रहे थे तभी अचानक हो गया इतना तगड़ा कांड की

(यंग भारत न्यूज)

प्रेम प्रसंग से जुड़े कई मामले सामने आते रहते हैं। कई बार ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां प्रेमी अपनी प्रेमिका से मिलने जाता है तो प्रेमिका के घर वाले रंगे हाथ पकड़ लेते हैं। ऐसा ही एक मामला सुगंधपुर से भी सामने आया है जिले में रात में प्रेमिका से मिलने गए युवक की शादी करा दी गई। जानकारी के अनुसार, लड़की ने प्रेमी को मिलने के लिए बुलाया तो लड़का 17 किमी दूरी तय कर रात में ही उससे मिलने पहुंच गया। रात के अंधेरे में दोनों मुलाकात कर रहे थे तभी प्रेमिका के घरवालों ने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया फिर हिन्दू रीति रिवाज के साथ शादी करवा दिया।

नगर थानाध्यक्ष ने बताया कि लड़का और लड़की दोनों बालिक हैं। दोनों को अपनी जिंदगी जीने का अधिकार है। फिर भी दोनों तरफ से आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस ने लड़की



का बयान लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि लड़का और लड़की कई सालों से एक-दूसरे से प्यार करते हैं। दोनों की शादी का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक प्रेमी रात के अंधेरे में अपनी प्रेमिका से चोरी-छुपे मिलने गया, लेकिन प्रेमिका के परिजनों ने उसे पकड़ लिया और तुरंत शादी करवा दी। दोनों कई बार एक-दूसरे से

पहले भी मिल चुके थे। परिजनों का कहना है कि खरमास भी खत्म हो गया है, इसलिए दोनों की शादी करा दी गई। बता दें कि इस तरह के पहले भी कई मामले सामने आ चुके हैं। आमतौर पर पकड़े गए पर लोग पिटाई करते हैं लेकिन यहां पर परिजन समझदारी दिखाते हुए दोनों की शादी कर दी। ये खबर आप जस्ट अभी में पढ़ रहे हैं। हालांकि लड़के के परिजन शादी में नहीं आए।

अरे जूस है पी लो. महिला होमगार्ड को धोखे से पिलाई शराब, फिर नशा चढ़ते ही 4 लोगों ने किया गैंगरेप

(यंग भारत न्यूज)

आज के समय में समझ नहीं आता किस पर भरोसा करें और किस पर नहीं. जब अपना ही गलत निकले, तो डर और गहरा हो जाता है. कर्नाटक के कोम्पल जिले के मदलूर गांवमें 39 साल की महिला होम गार्ड के साथ हुई यह वारदात यही कड़वी सच्चाई सामने लाती है, जहां एक परिचित ने महिला को धोखे से शराब पिलाकर तीन अन्य लोगों के साथ उसका गैंगरेप किया. महिला कुश्तगी शहर अपने परिचितों से मिलने आई थी. वहीं से लक्ष्मण कंचप्पा करगुली उसे मोटरसाइकिल पर बैठकर एक सुनसान घर तक ले गया. प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पीड़िता और लक्ष्मण कंचप्पा करगुली एक-दूसरे को जानते थे. महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी करगुली ने उसे जूस के नाम पर धोखे से शराब पिलाई और फिर चारों लक्ष्मण कंचप्पा करगुली, बसवराज साकरप्पा, भीमप्पा मास्की और शशिकुमार मास्कीने ने उसका रेप किया. पीड़िता ने किसी तरह पुलिस के इमरजेंसी रिसपांस सपोर्ट सिस्टम को फोन किया. पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और उसे गंभीर हालत में येलबुर्गा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया. हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे कोम्पल के केआईएमएस अस्पताल रेफर कर दिया. महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है. अस्पताल में अपनी पत्नी से मिलने पहुंचे पति का दर्द साफ झलक रहा था. पति ने कहा कि उन्हें बताया गया था कि उनकी पत्नी एक दुर्घटना का शिकार हुई है. पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.



राज्यसभा चुनाव में तीसरी सीट पर जीत के लिए अखिलेश ने बिछाई बिसात, बीजेपी के इन विधायकों पर नजर

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी में चार नामांकन फार्म खरीदे हैं. सपा की तरफ से तीन प्रत्याशी उतरने की चर्चाएं सियासी गलियारे में तेजी से घूम रही है. सूत्रों का कहना है कि तीसरा प्रत्याशी किसी पिछड़ी जाति का नेता होगा. समाजवादी पार्टी ने तीसरी सीट जीतने के लिए रणनीति तैज कर दी है. पार्टी की नजर में भाजपा के वो विधायक है, जिनके अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में टिकट कटने की डर है. सूत्रों के मुताबिक, ऐसे विधायकों को राज्यसभा चुनाव में सपा का साथ देने के बदले 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी के टिकट का भरोसा दिया जा रहा है.



उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होना है. 16 अक्टूबर को मतदान होगा. एक राज्यसभा सीट जीतने के लिए 37 वोटों की जरूरत होगी. सपा के पास करीब 95 विधायक हैं. हालांकि, पिछले राज्यसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के पक्ष में वोट करने वाले सपा के चार विधायक राकेश पांडेय, पूजा पाल, विनोद चतुर्वेदी और आशुतोष मौर्य अलग स्थिति में हैं. इनमें पूजा पाल अब बीजेपी की पदाधिकारी हैं. सपा को उम्मीद है कि बाकी तीन विधायकों में से दो उसके साथ वापस आ सकते हैं. इसके अलावा सुभासपा के विधायक जगदीश नारायण राय और मो. अब्बास अंसारी के समर्थन की भी सपा को उम्मीद है. जगदीश नारायण राय ने पिछले राज्यसभा चुनाव में भी सपा के पक्ष में वोट किया था. सपा के समीकरणों के जरिए पार्टी करीब 99 वोट जुटा सकती है. तीन प्रत्याशियों को जिताने के लिए 111 वोटों की जरूरत होगी. ऐसे में तीसरी सीट के लिए सपा को करीब 12 अतिरिक्त वोटों का इंतजाम करना होगा. पार्टी की नजर भाजपा के उन विधायकों पर है, जिनके टिकट 2027 में कटने की संभावना जताई जा रही है. कुछ विधायक सपा के संपर्क में हैं.

माधौगढ़ में रोडवेज बस स्टैंड बनाये जाने की नेताओं, नागरिकों व व्यापारियों ने उठायी माँग, शाम 4 बजे के बाद थम जाते हैं पहिए



(यंग भारत न्यूज)
माधौगढ़ (जालौन): जनपद जालौन की महत्वपूर्ण तहसील माधौगढ़ में परिवहन सेवाओं की बदहाली को लेकर स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों व जनप्रतिनिधियों का आक्रोश फूट पड़ा है। माधौगढ़ व्यापार मंडल के नेतृत्व में व्यापारियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन से माधौगढ़ में एक सर्वसुविधायुक्त रोडवेज बस स्टैंड के निर्माण और शाम के समय अतिरिक्त बस सेवाएं संचालित करने की पुरजोर मांग की है।

माधौगढ़ में शाम 4 बजे के बाद ठप हो जाता है आवागमन

व्यापारियों का कहना है कि माधौगढ़ क्षेत्र की एक मुख्य तहसील होने के



बावजूद परिवहन के मामले में बेहद उपेक्षित है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि शाम 4:00 बजे के बाद माधौगढ़ से बाहर (जैसे उरई, झांसी, कानपुर या अन्य शहरों) जाने के लिए या बाहर से माधौगढ़ वापस आने के लिए कोई भी सरकारी या निजी बस उपलब्ध नहीं होती है। आलम यह है कि शाम ढलते ही माधौगढ़ का संपर्क अन्य प्रमुख शहरों से पूरी तरह कट जाता है।

जनप्रतिनिधियों और व्यापारी नेताओं ने बयां किया दर्द

भाजपा नेता लला दूरवार ने इस समस्या को बेहद गंभीर बताते हुए कहा: माधौगढ़ इस पूरे क्षेत्र की एक बेहद महत्वपूर्ण और बड़ी तहसील है। रोजाना हजारों लोगों का यहां आना-जाना होता



है। लेकिन शाम 4 बजे के बाद उरई या अन्य बाहरी क्षेत्रों के लिए कोई बस सेवा न होने से आम जनता को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सरकार को इस ओर तुरंत ध्यान देना चाहिए। 'वही व्यापारी नेता सुमित तर्सौलिया और राजू ठाकुर ने संयुक्त रूप से कहा कि परिवहन के साधन न होने का सीधा असर माधौगढ़ के व्यापार पर पड़ रहा है। देर शाम व्यापारियों को माल लाने-ले जाने या व्यापारिक सिलसिले में बाहर जाने के लिए कोई साधन नहीं मिलता, जिससे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है राजा याज्ञिक व रिकू मिश्रा ने भी इस मांग का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि स्वास्थ्य आपातकाल या किसी जरूरी काम से अगर किसी को रात में बाहर जाना पड़े, तो जनता के पास कोई विकल्प नहीं बचता। जनता और व्यापारियों की मुख्य मांग है कि माधौगढ़



में एक स्थाई और व्यवस्थित रोडवेज बस स्टैंड बनाया जाए, ताकि यात्रियों को धूप और बरसात में सड़क किनारे खड़ा न होना पड़े। शाम 4:00 बजे के बाद भी उरई, जालौन और अन्य प्रमुख रूटों के लिए रोडवेज बसों के फेरे सुनिश्चित किए जाएं। जिला मुख्यालय (उरई) से माधौगढ़ के लिए देर रात तक बसों की उपलब्धता हो, ताकि बाहर से आने वाले यात्री सुरक्षित अपने घर पहुंच सकें। व्यापार मंडल, राजनीतिक दलों के नेताओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्तर प्रदेश सरकार तथा जिला प्रशासन जालौन से अविलंब इस समस्या का संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। आंदोलनकारियों का कहना है कि यदि जल्द ही माधौगढ़ को बस स्टैंड की सौगात और शाम के समय बस सेवाएं नहीं मिलीं, तो क्षेत्र की विकास नहीं बचता। जनता और व्यापारियों की मुख्य मांग है कि माधौगढ़

इकौना ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर फर्जी भुगतान का आरोप, ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंच डीएम को सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। विकासखंड कदौरा की ग्राम पंचायत इकौना में अंत्येष्टि स्थल, गौशाला, हैंडपंप मरम्मत एवं रिबोर समेत विभिन्न विकास कार्यों में अनियमितता और फर्जी भुगतान का आरोप लगाते हुए दर्जनों ग्रामीणों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान और ब्लॉक के अधिकारियों की मिलीभगत से विकास कार्यों में अनियमितताएं बरती गईं और कई कार्यों को कागजों में पूरा दर्शाकर भुगतान निकाल लिया गया। ग्रामीणों के मुताबिक अंत्येष्टि स्थल की स्थिति जर्जर है और वहां आने-जाने के लिए रास्ते की भी समुचित व्यवस्था नहीं है। जिस स्थान पर रास्ते का निर्माण स्वीकृत बताया गया है, वहां कार्य नहीं कराया गया। ग्रामीणों ने हैंडपंपों की मरम्मत और रिबोर के नाम पर भी फर्जी भुगतान किए जाने का आरोप लगाया। इसके अलावा गौशाला में टीन शेड, बाड़ड़ी एवं तार फेंसिंग के कार्यों का भुगतान केयरटेकर के नाम से निकालने का आरोप लगाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि इसी तरह अन्य विकास कार्यों को भी कागजों में दर्शाकर भुगतान कराया गया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से ग्राम पंचायत में कराए गए सभी विकास कार्यों की निष्पक्ष जांच करारक अभिलेखों और मौके पर हुए कार्यों का सत्यापन कराने तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मौके पर ज्ञानेंद्र सिंह, नरेंद्र, कामता, संतोष कुमार, गोविंद, नीरज कुमार, अशोक, आलोक सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

पाँक्सो अधिनियम को लेकर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन



जालौन-उरई। नगर स्थित जालौन बालिका इंटर कॉलेज में बुधवार को पाँक्सो अधिनियम को लेकर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्राओं को बाल यौन अपराधों से संरक्षण के लिए बनाए गए कानून, उनके कानूनी अधिकारों और उपलब्ध सहायता के बारे में जानकारी दी गई। छात्राओं से किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर चुप न रहने और भरोसेमंद व्यक्ति या संबंधित विभाग को जानकारी देने के लिए कहा गया।

विधिक जागरूकता शिविर की अध्यक्षता सिविल जज (जूडि) जावेद खान एवं अपर सिविल जज (जूडि) अंकिता सिंह ने संयुक्त रूप से की। सिविल जज (जूडि) जावेद खान ने कहा कि छात्राओं को अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। जागरूकता के अभाव में कई बार बच्चे और उनके परिवार परेशानी की स्थिति में सही कदम नहीं उठा पाते। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का गलत व्यवहार, उत्पीड़न या असुरक्षित स्थिति महसूस होने पर उसे छिपाते के बजाय परिवार, शिक्षक या संबंधित जिम्मेदार व्यक्ति को इसकी जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने छात्राओं से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी परेशानी में कानूनी सहायता लेने की अपील की। अपर सिविल जज (जूडि) अंकिता सिंह ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। पाँक्सो अधिनियम के तहत बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के साथ ही पीड़ित बच्चे की पहचान और गरिमा की रक्षा से जुड़े प्रावधान भी हैं। उन्होंने छात्राओं को किसी अनजान व्यक्ति पर आसानी से भरोसा न करने, असहज स्थिति में तुरंत अपने अधिभावकों या शिक्षकों को बताने और जरूरत पड़ने पर कानून की मदद लेने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने कानून और सुरक्षा से जुड़े विषयों को लेकर सवाल भी पूछे। मौजूद न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं ने छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें विधिक सहायता के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता संतोष यादव ने किया। इस मौके पर पीएलवी विपिन कुमार, योगेश श्रीवास्तव, प्रदीप आदि रहे।

रास्ता रोककर महिला से मारपीट का आरोप, पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। कोतवाली जालौन क्षेत्र के ग्राम छिरिया निवासी जयकुंवर पत्नी स्व. शिवप्रसाद ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर गांव के कुछ लोगों पर रास्ता रोककर मारपीट करने का आरोप लगाया है।

शिकायती पत्र के अनुसार, 29 सितंबर की रात करीब 10 बजे वह अपने बेटे अरनुर्द्ध के घर से दूसरे बेटे धर्मेन्द्र के घर जा रही थी। आरोप है कि रास्ते में गांव के वीरेंद्र कुमार, कामता प्रसाद, रघुनंदन, बुजेंद्र, लल्लू, निवक्शू महेश, श्रीराम व रघुनन्दन आदि ने उसे रोक लिया। मंदिर में पूजा करने के बहाने कामता ने लाठी तथा मातादीन ने लोहे की रॉड से उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि वीरेंद्र ने उसके पुत्र अरनुर्द्ध को पकड़कर दबोच लिया और थपड़ों से मारने के साथ हाथ में लोहे की रॉड मार दी, जिससे उसके हाथ में गंभीर चोट आई। महिला का आरोप है कि अन्य लोगों ने भी उसके साथ मारपीट कर गाली-गलौज करते हुए धायाल कर दिया। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से ग्राम छिरिया निवासी जयकुंवर पत्नी शिवप्रसाद ने जिलाधिकारी, पुलिस अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर कुछ लोगों पर मारपीट, गाली-गलौज



और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायती पत्र में पीड़िता ने बताया कि आरोपी पूर्व में भी उसके साथ दो बार मारपीट कर चुके हैं। आरोप है कि अब उक्त लोग लगातार गाली-गलौज करते हुए उसे परेशान कर रहे हैं तथा उसके पुत्र अरनुर्द्ध को भी जान शिवप्रसाद ने जिलाधिकारी, पुलिस और उसका परिवार भय एवं आतंक के माहौल में है। पीड़िता का आरोप है कि

उसने घटना की सूचना थाना कोतवाली जालौन में दी, लेकिन पैसे के लेन-देन के कारण चौकी ईंचार्ज द्वारा आरोपियों को कथित रूप से बचाया जाता है, जिसके चलते उसे न्याय नहीं मिल पा रहा है। पीड़िता ने अधिकारियों से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कराने तथा अपनी व अपने परिवार की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।

माधौगढ़ तहसील दलालो व बिचौलियों का बना सबसे बड़ा अड्डा

(यंग भारत न्यूज)
माधौगढ़ (जालौन) जनपद जालौन की माधौगढ़ तहसील इस समय दलालों और बिचौलियों का सबसे बड़ा अड्डा बन चुकी है। तहसील परिसर में सुबह से लेकर शाम तक दलालों का भारी जमावड़ा लगा रहता है, जिसके कारण दूर-दराज के गांवों से आने वाले सीधे-साधे ग्रामीण बेहद परेशान हैं। स्थिति यह हो गई है कि इस तहसील में अब कोई भी काम बिना दलालों के माध्यम से और बिना सुगमता शुल्क दिए होना नामुमकिन सा हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र बनवाना हो, भूमि की पैमाइश करानी हो, या फिर खतौनी और बरासत दर्ज करानी हो—हर छोटे-बड़े काम के लिए दलाल खुलेआम मोटी रकम की मांग करते हैं। जो ग्रामीण दलालों को पैसे देने से मना करते हैं, उनके जायज कामों को भी हफ्तों और महीनों तक लटकाया जाता है। तहसील के बाबू और कर्मचारी भी सीधे जनता से बात करने के बजाय इन बिचौलियों को ज्यादा तरजीह देते हैं, जिससे भ्रष्टाचार की जड़ें और मजबूत हो गई हैं। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे खेल की जानकारी तहसील के आला अधिकारियों को भी है। परिसर में सरेआम घूम रहे इन दलालों पर न तो उपजिलाधिकारी और न ही तहसीलदार स्तर से कोई सख्त कार्रवाई की जाती है। अधिकारियों को इस रहस्यमयी चुप्पी और निष्क्रियता के चलते ग्रामीण खुद को ठग सा महसूस कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन का दावा करने वाली सरकार को छवि को स्थानीय प्रशासन बढ़ा लगा रहा है। परेशान और त्रस्त जनता ने अब शासन और जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों से इस गंभीर मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही तहसील परिसर को दलालों से मुक्त नहीं कराया गया और भ्रष्ट तंत्र पर नकेल नहीं किसी गई, तो वे उग्र आंदोलन और धरने के लिए मजबूर होंगे



प्रसाद के लड्डू खाने के बाद परिवार के लोग हुए बेहोश, डीएम से जांच व कार्रवाई की मांग

(यंग भारत न्यूज)
उरई। शहर के मोहल्ला इंदिरा नगर, उमा पीसीओ वाली गली निवासी रश्मि पत्नी आनंद कुमार गुप्ता ने परिवार के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मंगलवार को प्रसाद के लिए इंदिरा नगर निवासी मूलचंद गुप्ता की दुकान से बेसन के लड्डू मंगवाए थे।

शिकायती पत्र के अनुसार, प्रसाद चढ़ाने के बाद परिवार के सदस्यों ने लड्डू खाए। करीब 15 मिनट बाद सभी को चक्कर आने लगे और वे बेहोश होकर सड़क पर गिर पड़े। परिजनों ने 100 नंबर पर पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने में देरी होने पर सभी को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। रात में उपचार के दौरान पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना के संबंध में बयान दर्ज किए। पीड़िता ने बताया कि लड्डू अभी भी उनके पास सुरक्षित रखे हैं। उन्होंने जिलाधिकारी से लड्डूओं की जांच कराए जाने तथा जांच में मिलावट या खराबी पाए जाने पर संबंधित दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है।



बाजार से गलियों तक चलेगा विशेष सफाई अभियान, डीएम ने दिए व्यापक सफाई के निर्देश

धार्मिक स्थलों, चौराहों, नालियों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई के साथ कचरे का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश



(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। जिलाधिकारी समीर ने कलेक्ट्रेट सभागार से जनपद के समस्त नगर निकायों एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों के साथ वर्युअल समीक्षा बैठक कर विशेष सफाई अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान को पूरी गंभीरता और व्यापकता के साथ चलाया जाए, ताकि नगरीय क्षेत्रों में कहीं भी गंदगी दिखाई न दे और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने बाजारों, धार्मिक स्थलों, मुख्य मार्गों, चौराहों, नालियों, सार्वजनिक स्थलों तथा महापुरुषों की मूर्तियों के आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल प्रमुख स्थानों तक ही अभियान सीमित न रहे, बल्कि भीतरी एवं आवासीय क्षेत्रों की गलियों में भी व्यापक स्तर पर साफ-सफाई कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के दौरान उपलब्ध सभी आवश्यक संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया जाए तथा सफाई के बाद एकत्रित कचरे का निर्धारित नियमों एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सफाई

कार्य की नियमित निगरानी करने तथा जानकारी दे सकते हैं, ताकि संबंधित निर्देश दिए, ताकि अभियान का वास्तविक प्रभाव धरातल पर दिखाई दे। जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष सफाई अभियान को जनभागीदारी से और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। इसी क्रम में यदि किसी वार्ड, मोहल्ले अथवा क्षेत्र में सफाई नहीं हुई है या कहीं गंदगी पड़ी है तो आम नागरिक इसकी सूचना देकर प्रशासन का सहयोग कर सकते हैं। नागरिक मोबाइल नंबर 9936256363

पर फोन कर अपने क्षेत्र की सफाई संबंधी जानकारी दे सकते हैं, ताकि संबंधित निर्देश दिए, ताकि अभियान का वास्तविक प्रभाव धरातल पर दिखाई दे। जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष सफाई अभियान को जनभागीदारी से और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। इसी क्रम में यदि किसी वार्ड, मोहल्ले अथवा क्षेत्र में सफाई नहीं हुई है या कहीं गंदगी पड़ी है तो आम नागरिक इसकी सूचना देकर प्रशासन का सहयोग कर सकते हैं। नागरिक मोबाइल नंबर 9936256363

माधौगढ़ सरकारी स्वास्थ्य केंद्र बना दलालों का अड्डा, त्रस्त हैं गरीब मरीज

(यंग भारत न्यूज)
माधौगढ़ (जालौन) नगर में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इस समय बदहाली और अव्यवस्था का शिकार है। यह अस्पताल अब गरीब मरीजों के इलाज का जरिया कम और दलालों की कमाई का अड्डा बना बन चुका है। अस्पताल परिसर में सुबह से ही दलालों का जमावड़ा लग जाता है, जो सीधे तौर पर वहां की चिकित्सा व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं।



अस्पताल में दूर-दराज के गांवों से आने वाले गरीब मरीजों को डॉक्टरों को दिखाने के लिए कई-कई घंटों तक कतारों में खड़ा रहना पड़ता है। इसके विपरीत, जिन मरीजों का संपर्क इन सक्रिय दलालों या वहां तैनात सिक्वोरिटी गार्डों से होता है, उन्हें बिना किसी लाइन के सीधे डॉक्टर के कमरों में पंटी मिल जाती है। जो मरीज रिश्तत देने या दलालों की मिन्नतें करने में असमर्थ हैं, उन्हें भारी मुसीबतें झेलनी पड़ती हैं। यह सीधे तौर पर आम जनता के स्वास्थ्य अधिकारों का हनन है।

इस पूरी अव्यवस्था के लिए मुख्य रूप से तीन पक्ष जिम्मेदार हैं: अस्पताल के भीतर क्या चल रहा है, इसकी निगरानी करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। दलालों और सिक्वोरिटी गार्डों की इस सांठगांठ पर आंखें मूंद लेना प्रशासन की शिथिलता की दर्शाता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों द्वारा समय-समय पर औचक निरीक्षण न करना और भ्रष्ट तत्वों पर कड़ी कार्रवाई न करना इस हौसले को बढ़ाता है। कुछ डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की मूक सहमति भी इसके लिए समान रूप से जिम्मेदार है। जब तक स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस सांठगांठ के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाएगा, तब तक माधौगढ़ के गरीब मरीजों को न्याय मिलना असंभव है। इस व्यवस्था को तुरंत दुरुस्त करने और दोषियों पर कार्रवाई करने की सख्त जरूरत है।

माधौगढ़ में राशन वितरण व्यवस्था पर उठे सवाल, घटतौली के आरोपों से उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश

(यंग भारत न्यूज)
माधौगढ़ (जालौन) माधौगढ़ नगर में सरकारी राशन वितरण व्यवस्था इन दिनों सवाल के घेरे में है। स्थानीय गरीब कार्डधारकों और उपभोक्ताओं ने क्षेत्र के कई राशन डीलरों (कोटेदारों) पर गंभीर आरोप लगाते हुए मोर्चा



खोल दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा गरीबों के लिए भेजी जा रही खाद्य सामग्री को उन तक पूरी इमानदारी से नहीं पहुंचाया जा रहा है और राशन की कालाबाजारी तथा घटतौली का खेल धड़ल्ले से चल रहा है।

मामला माधौगढ़ नगर का है, जहाँ स्थानीय उपभोक्ता आदेश कुमार व अन्य ग्रामीणों ने मिलकर 'नीलू कोटेदार' के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उपभोक्ता आदेश का सीधा आरोप है कि उक्त कोटेदार द्वारा गरीब और पात्र कार्डधारकों को सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा से काफी कम राशन दिया जा रहा है। जब कार्डधारक इसका विरोध करते हैं, तो उन्हें राशन न देने की धमकी दी जाती है या टालमटोल कर दिया जाता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि डिजिटल तराजू होने के बावजूद राशन तौलने में हेराफेरी की जा रही है, जो सीधे तौर पर गरीबों के हक पर डाका डालने जैसा है। इस अव्यवस्था और कोटेदारों की मनमानी से तंग आकर स्थानीय जागरूक नागरिकों और पीड़ितों ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। उपभोक्ताओं ने जिलाधिकारी और संबंधित खाद्य आपूर्ति विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि माधौगढ़ नगर के राशन वितरण केंद्रों की निष्पक्ष और आकस्मिक जांच कराई जाए। दोषी नीलू कोटेदार समेत अन्य भ्रष्ट डीलरों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। तथा पीड़ित कार्डधारकों को उनका पूरा और बकाया राशन दिलवाया जाए। > उपभोक्ताओं का संदेश सरकार एक तरफ गरीबों को मुफ्त और पूरा राशन देने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय डीलर अपनी जेबें भरने में लगे हैं। अगर प्रशासन ने जल्द ही इन कोटेदारों पर नकेल नहीं कसी, तो क्षेत्र की गरीब जनता तहसील मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होगी।

विधान परिषद इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक सीट सपा व भाजपा के बीच सीधा मुकाबला

बसपा और कांग्रेस प्रत्याशी नदारद

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन) विधान परिषद के इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 2026 का द्विवार्षिक चुनाव सपा और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला बनता जा रहा है। नामांकन प्रक्रिया 29 सितंबर को शुरू होने के बाद भी बसपा ने अब तक अपना प्रत्याशी नहीं उतारा है। जबकि कांग्रेस के सपा को समर्थन देने की संभावनाएं चुनावी समीकरणों में अहम भूमिका निभा सकती हैं। चुनाव आयोग के कार्यक्रम के अनुसार 29 सितंबर 2026 को अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी।

नामांकन की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर, नामांकन पत्रों की जांच 7 अक्टूबर और नाम वापसी की अंतिम तिथि 9 अक्टूबर निर्धारित है। मतदान 23 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर को कराई जाएगी।

इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 10 जिले शामिल हैं-प्रयागराज, कोशाम्बी, फतेहपुर, चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, महोबा, जालौन, झांसी और ललितपुर। जालौन भी इस विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र का अभिन्न हिस्सा है, जिससे

गाँधीजी की जयन्ती एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिवस के सुअवसर पर पैदल चाल/रेस प्रतियोगिता का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। क्रीड़ा अधिकारी शैलेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि जनपद के खिलाडियों को सूचित किया जाता है कि 02 अक्टूबर 2026 गाँधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती के सुअवसर पर जिला खेल कार्यालय इन्दिरा स्टेडियम उरई के तत्वाधान में प्रातः 9:30 बजे से इन्दिरा स्टेडियम प्रांगण में जिला प्रशासन के सहयोग से पुरुष एवं महिला वर्ग में जिला स्तरीय पैदलचाल / रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।अत एव उक्त प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु इच्छुक पुरुष/महिला/बालक/बालिका खिलाडी से अपील है कि इन्दिरा स्टेडियम उरई में प्रातः 9.00 बजे उपस्थित होकर अपने नाम की प्रविष्टि करारकर चेस्ट नम्बर प्राप्त करे तथा प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग कर कार्यक्रम को सफल बनाये। प्रतियोगिता में प्रथम 06 स्थान प्राप्त करने वाले पुरुष एवं महिला विजयी खिलाडियों को खेल विभाग द्वारा पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

आजीवन कारावास पाए पांचों दोषियों को हाईकोर्ट से जमानत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के अपराध संख्या 51/2023 से जुड़े हत्याकांड में अपर सत्र न्यायालय संख्या-2, झांसी से आजीवन कारावास की सजा पाए रामस्वरूप, मयंक श्रीवास, शरद कुमार, अवधेश कुमार एवं दीपक को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिलने की जानकारी सामने आई है।

केस संख्या 51/2023 7 थाना सीपरी बाजार, झांसी 7 ट्रायल कोर्ट—अपर सत्र न्यायालय संख्या-2, झांसी 7 अपील संख्या 5715/2026 7 हाईकोर्ट डबल बेंच—माननीय न्यायमूर्ति सिद्धार्थ एवं माननीय न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी ट्रायल कोर्ट ने पांचों अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दाखिल की गई थी। मामले में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता योगेश दत्ता मिश्रा एवं अधिवक्ता शिवांगी चतुर्वेदी ने पैरवी की। हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद आवश्यक जमानती औपचारिकताएं पूरी होने पर पांचों की जेल से रिहाई का रास्ता साफ हो गया है।

एक जिले में दो टोल! आखिर किस नियम के तहत हो रही वसूली?

आटा और ऐट टोल को लेकर उठे सवाल, वाहन चालकों के साथ कथित अमदरा की शिकायतें भी सामने आईं

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। जनपद में आटा और ऐट टोल प्लाजा संचालित होने को लेकर अब सवाल खड़े हो गए हैं। एक ही जिले में दो टोल प्लाजा होना अपने आप में प्रतिबंधित नहीं है, लेकिन सवाल यह है कि दोनों टोल किस नियम, अधिसूचना और स्वीकृति के आधार पर संचालित हो रहे हैं और इनके बीच वास्तविक सड़क दूरी कितनी है? मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि टोल वसूली को लेकर वाहन चालकों की शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है।ऐट टोल पर कुछ वाहन चालकों ने कर्मचारियों पर अभद्रता और दबंगई का आरोप लगाया है। कुछ शिकायतकर्ताओं ने तो मारपीट तक के आरोप लगाए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित पक्ष का जवाब सामने आना अभी बाकी है। अब बड़ा सवाल यह है कि टोल प्लाजा की स्थापना से लेकर शुल्क वसूली तक पूरी प्रक्रिया किस आदेश के तहत हुई? क्या दोनों टोल के बीच निर्धारित दूरी संबंधी नियमों का पालन किया जा रहा है? यदि दूरी निर्धारित मानक से कम है तो क्या इसके लिए सक्षम प्राधिकारी से विशेष अनुमति ली गई है? इन सवालों का जवाब पाने के लिए जिला प्रशासन और हॄदु से ऋद्ध के माध्यम से टोल की अधिसूचना, स्वीकृति, दोनों टोल के बीच की दूरी, शुल्क वसूली की अनुमति, शिकायतों और उन पर हुई कार्रवाई का रिकॉर्ड मांगा जाएगा।

अब रिकॉर्ड से खुलेगा राज

यदि टोल संचालन नियमों के अनुरूप है तो संबंधित विभाग के दस्तावेज स्थिति स्पष्ट कर देंगे। वहीं यदि किसी स्तर पर नियमों या निर्धारित प्रक्रिया से जुड़ा कोई सवाल है, तो सरकारि रिकॉर्ड के सामने आने के बाद उसकी भी तस्वीर साफ हो सकेगी। जालौन के वाहन चालकों की निगाह अब इस बात पर है कि प्रशासन और हॄदु इन सवालों पर क्या जवाब देते हैं।

हैं राठौर पहले इलाहाबाद-झांसी खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भी चुनाव लड़ चुके हैं। 2023 के शिक्षक एमएलसी चुनाव में उन्होंने नामांकन किया था और बाद में भाजपा प्रत्याशी डॉ. बाबूलाल तिवारी के समर्थन में चुनाव से हटने की घोषणा की थी। मार्च 2026 में उन्हें भाजपा का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया था, जबकि 2025 में उन्हें भाजपा के शिक्षक प्रकोष्ठ के कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र में सह संयोजक की जिम्मेदारी दी गई थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना ​​है कि बुंदेलखंड में भाजपा प्रत्याशी अशोक राठौर को अधिक मतदाताओं का समर्थन मिलने की संभावना है। उनकी पकड़ इलाहाबाद से लेकर फतेहपुर, बांदा तक अच्छी मानी जाती है, खासकर शिक्षक और स्नातक मतदाताओं के बीच। सपा का पुराना चेहरा डॉ. मानसिंह वर्मा सपा ने मौजूदा एमएलसी डॉ. मानसिंह वर्मा को फिर से मैदान में उतारा रहे हैं और माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षक के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। मूल रूप से जालौन के उरई निवासी राठौर को यह टिकट उनकी पार्टी के प्रति वफादारी और संगठन में निभाई गई जिम्मेदारियों का इनाम माना जा रहा है। वह लंबे समय से शिक्षक संगठनों से जुड़े रहे हैं और माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षक के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

पॉक्सो एक्ट और बाल सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश विरजेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में अहिंसा दिवस के अवसर पर 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को विनायक एकेडमी इंटर कॉलेज उरई में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर की अध्यक्षता सिविल जज (14वां वित्त आयोग) जूथिरन डिवीजन सुशी शैलजा ने की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट-2012 के प्राधान्यों, कानूनी अधिकारों तथा बाल सुरक्षा के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन अपराधों, शोषण, उत्पीड़न और पोर्नोग्राफी से सुरक्षा प्रदान करने के लिए पॉक्सो कानून बनाया गया है। विभिन्न अपराधों के लिए कानून में अलग-अलग दंड का प्रावधान है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मनाली चन्दा ने बताया कि जनपद न्यायालय परिसर जालौन, उरई में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस पर पहुंचकर निशुल्क विधिक सहायता



को जानकारी प्राप्त की जा सकती है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क कर भी विधिक सहायता प्राप्त की जा सकती है।प्रधानाचार्य विवेक शुक्ला ने छात्र छात्राओं को आपात स्थिति में 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन और 112 आपात कालीन नंबर के उपयोग की जानकारी दी। साथ ही सोशल मीडिया पर निजी जानकारी एवं तस्वीरों को सुरक्षित रखने, साइबर अपराधों से बचाव तथा डिजिटल सुरक्षा के उपाय बताए गए। विद्यार्थियों को गुड टच और बैड टच के बीच अंतर समझाते हुए व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक न्यायालय परिसर जालौन, उरई में स्थित जिला व्यवहार असहज या संदिग्ध लगे तो बिना डर या झिझक के माता-पिता, शिक्षक अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन से संपर्क करें।शिविर का संचालन पीएलवी महेश सिंह परिहार ने किया। उन्होंने लोक अदालत,सुलह-समझौता केंद्र तथा विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न कानूनी सुविधाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधक राजकुमार गुप्ता ने सभी अतिथियों का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में कानूनी जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक हैं। इस अवसर पर डईओ दीपक नारायण, न्यायालय रीडर शैफाली तिवारी, पीएलवी महेन्द्र कुमार मिश्रा, योगेन्द्र पहिर तखले, धर्मेन्द्र कुमार, रामदेव चतुर्वेदी सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं और दर्जनों छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

अन्ना जानवर के अचानक से बाइक के सामने आने पर दंपति गिर कर हुये घायल

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। अन्ना जानवर के अचानक से बाइक के सामने आने पर दंपति घायल हो गए। दंपति के चाचा ने नगर पालिका में शिकायती पत्र देकर अन्ना जानवरों को पकड़वाकर गोशाला में भेजे जाने की मांग की है। नगर के मोहल्ला गणेशजी निवासी विवेक मिश्रा ने नगर पालिका ईओ को शिकायती पत्र देकर बताया कि नगर में अन्ना जानवरों की समस्या से लोग परेशान हैं। कई बार वाहन चालक अचानक से अन्ना जानवरों के सड़क पर आने से उससे टकराकर घायल हो जाते हैं। आरोप लगाया कि मंगलवार को उनका भतीजा रोहित मिश्रा अपनी पत्नी के साथ चुगी नंबर चार के पास से घर आ रहा था। तभी अचानक से सामने अन्ना जानवर आ गया और बाइक जानवर से टकरा गई। हादसे में जहां भतीजा घुचटहिल हो गया वहीं, उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे पहड़ले सीपचसी में दिखाया जहां हातत गंभीर होने पर उसे उच्च संस्थान रेफर कर दिया गया। बताया कि इस तरह की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। अन्ना जानवरों के चलते कभी कोई गंभीर हादसा हो सकता है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि अन्ना जानवरों से हो रही लगातार घटनाओं को देखते हुए नगर में अन्ना जानवरों के खिलाफ अभियान चलाया जाए और उन्हें पकड़कर गोशाला पहुंचाया जाए।

रंगबाजी को लेकर युवक के साथ मारपीट कर दी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। जोंशियाना तालाब के पास युवक के साथ कुछ लोगों ने रंगबाजी को लेकर मारपीट कर दी। मारपीट के दौरान युवक घायल हो गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला हरीपुरा निवासी आकाश कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि मंगलवार की रात वह मोहल्ला जोंशियाना स्थित तालाब के पास टहल रहा था। तभी चुर्खीबाल निवासी राघव, नमन कुमार, रिषभ, अभय उर्फ रूद्ध, आशीष, समीर, यश, रोहित, नीतू आदि आए गए और रंगबाजी दिखाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। जब गाली देने से मना किया तो उन्होंने मारपीट कर दी। मारपीट में उसके सिर में चोट आई है। जब वह बचाव के लिए चिल्लाया तो सभी जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। जब पुलिस वहां पहुंची तो कोई नहीं मिला। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने सभी नौ आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रास्ता रोककर वृद्धा व उसके बेटे के साथ मारपीट की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। मंगलवार को देर रात ग्राम छिरिया में रास्ता रोककर वृद्धा व उसके बेटे के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली क्षेत्र के छिरिया सलेमपुर निवासी जयकुंवर देवी ने पुलिस बताया कि मंगलवार की रात करीब 10 बजे अपने बेटे अनिरुद्ध के घर से अपने दूसरे बेटे धर्मेन्द्र के घर जा रही थी, तभी गांव के ही वीरेंद्र कुमार, कामताप्रसाद, ब्रजेंद्र सिंह, लल्लू व महेश समेत सात लोगों ने उसका रास्ता रोक लिया। रास्ता रोककर सभी लोगों ने एक राय होकर गाली-गलौज करते हुए लोहे की राड व थपड़ों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। बीच-बचाव करने आए बेटे अनिरुद्ध के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने घायलों का चिकित्सकीय परीक्षण कराकर सभी सात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। चौकी प्रभारी आलोक पाल ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करेगी।

रफ्तार टूक का कहर, बाइक सवार 55 वर्षीय ग्रामीण की मौत

जालौन -उरई।जालौन कोतवाली नगर क्षेत्र में औरैया रोड स्थित छत्रसाल इंटर कॉलेज के पास पेट्रोल टैंक के सामने बुधवार शाम करीब 4 बजे तेज रफ्तार टूक ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 55 वर्षीय ग्रामीण की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सुद्वार निवासी रामकेश उर्फ फिल्लू किसी काम से बुधवार को जालौन आए थे। बताया जा रहा है कि काम निपटाने के बाद वह बाइक से अपने गांव वापस जा रहे थे। जैसे ही वह औरैया रोड स्थित छत्रसाल इंटर कॉलेज के पास पेट्रोल टैंक के सामने पहुंचे, तभी तेज रफ्तार टूक संख्या UP231T-6613 ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रामकेश बाइक से सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जालौन पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल रहा। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और दुर्घटना की जानकारी जुटाते हुए जांच शुरू कर दी।

शादी का झांसा देकर संबंध बनाने और धोखाधड़ी का आरोप, उरई पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने, आर्थिक लेन-देन में धोखाधड़ी करने और बाद में दूसरी महिला से शादी करने के आरोप में कोतवाली उरई पुलिस ने कालपी निवासी शिवम गुप्ता पुत्र राजेन्द्र गुप्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामला एफआईआर संख्या 0588/2026 के तहत दर्ज बताया गया है।

आयुष्मान कार्ड बनवाने के बहाने हुई थी जान-पहचान

एफआईआर में लगाए गए आरोपों के मुताबिक, वर्ष 2025 में आयुष्मान कार्ड बनवाने के बहाने आरोपी की पीड़िता से जान-पहचान हुई। इसके बाद आरोपी ने शादी का भरोसा दिलाते हुए उसके पुराने विवादों को निपटाने का आश्वासन दिया। आरोप है कि इसी दौरान शादी का वादा कर पीड़िता से शारीरिक संबंध बनाए गए तथा अलग-अलग मौकों पर नकद और बैंक ट्रांजेक्शन के माध्यम से रकम ली गई।

दूसरी महिला से शादी करने का आरोप

शिकायत के अनुसार, मार्च 2026 में आरोपी ने कथित तौर पर पीड़िता को जानकारी दिए बिना दूसरी महिला से शादी कर ली। इसको लेकर जब पीड़िता ने शादी और पैसों के लेन-देन के संबंध में सवाल उठाए तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि आरोपी ने शादी से इनकार करते हुए उसके साथ मारपीट और अभद्रता की। शिकायत करने पर धमकी देने का भी आरोप शिकायत में जून 2026 की घटना का भी उल्लेख है। आरोप है कि पीड़िता जब मामले की शिकायत करने जा रही थी, तभी आरोपी ने रास्ते में रोककर गाली-गलौज की और शिकायत वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दी।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 69, 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक शिवम सिंह बघेल को सौंपी गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एफआईआर में लगाए गए आरोपों की पुष्टि विवेचना और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर होगी। आरोपी का पक्ष सामने आने के बाद मामले की स्थिति और स्पष्ट होगी।

एआरटीओ कार्यालय में अचानक निरीक्षण, तीन कर्मचारी मिले अनुपस्थित एसडीएम सदर व सीओ ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा, संदिग्ध लोगों से की पूछताछ



उरई (जालौन)। एआरटीओ कार्यालय में बुधवार को एसडीएम सदर उत्तम तिवारी और सीओ ने अचानक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों के अचानक पहुंचने से कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों और अन्य लोगों में हलचल मच गई।निरीक्षण के दौरान तीन कर्मचारी अनुपस्थित मिले। इस पर एसडीएम सदर ने संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कार्यालय के विभिन्न पटरलों का निरीक्षण कर कामकाज और अभिलेखों की स्थिति भी देखी। इस दौरान कार्यालय परिसर में घूम रहे कुछ संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई। अचानक हुए निरीक्षण से काफी देर तक कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल रहा। अधिकारियों ने कार्यालय की व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली में सुधार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

जालौन में फिर चला अतिक्रमण अभियान चंद मिनटों में बदला मुख्य बाजार का नजारा



उरई (जालौन)। जालौन नगर में एक बार फिर नगर पालिका परिषद की ओर से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। टीम ने मुख्य बाजार में सड़क और फुटपाथ तक फैले सामान को हटवाया। कार्रवाई के बाद कुछ ही देर में बाजार का रास्ता काफी हद तक खुला नजर आया और राहगीरों को आवागमन में राहत मिली। अभियान के दौरान नगर पालिका परिषद के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे। टीम ने दुकानों के बाहर सड़क किनारे रखे सामान और अस्थायी रूप से किए गए अतिक्रमण को हटवाया। कार्रवाई शुरू होते ही बाजार में हलचल मच गई और कई दुकानदारों ने स्वयं अपना सामान पीछे कर लिया।

अतिक्रमण हटाए जाने के बाद मुख्य बाजार का स्वरूप बदला हुआ नजर आया। सड़क पर पहले की अपेक्षा अधिक जगह दिखाई दी और वाहनों तथा राहगीरों की आवाजाही भी सुचारू होती नजर आई। नगर पालिका परिषद के अधिकारियों ने दुकानदारों से अपील की कि वे दुकानों के बाहर सड़क अथवा सार्वजनिक स्थान पर सामान रखकर अतिक्रमण न करें। अधिकारियों के मुताबिक नगर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि बाजार में यातायात व्यवस्था बेहतर बनी रहे और राहगीरों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

अशोक राठौर भाजपा के एमएलसी स्नातक प्रत्याशी बने

भाजपाईयो ने गोले दागकर मिठाईयां बांटी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच शिक्षक एमएलसी चुनाव में प्रयागराज-झांसी खंड स्नातक क्षेत्र के लिए भाजपा द्वारा उरई निवासी वरिष्ठ शिक्षक नेता एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष अशोक राठौर को पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित किए जाने पर नगर में भाजपाहियों से लेकर वित्तविहीन/सरकारी शिक्षकों और राठौर समाज के लोगों में प्रसन्नता साफ तौर पर देखी जा रही है। जैसे ही भाजपा नेतृत्व द्वारा अशोक राठौर की प्रत्याशिता की घोषणा की गई, चंदकुआं चौराहे पर एकत्रित राठौर समाज के दर्जनों युवाओं ने प्रसन्नता जताते हुए गोले दागे और एक



दूसरे का मुंह मीठा कराया। समाज के युवाओं ने भाजपा नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि अशोक राठौर लंबे समय से समाज और शिक्षकों के हित में

कार्य कर भाजपा को मजबूती देने में लगे हुए हैं। भाजपा द्वारा इन्हें प्रत्याशी बनाकर समाज का मान बढ़ाया गया है। इस दौरान राठौर समाज सेवा समिति के अध्यक्ष

राजेश राठौर, भाजपा नगर उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौर, रामनरेश राठौर, अनूप राठौर अंडा, दिलीप राठौर, डॉ. विकास सिंह राठौर, पंकज राठौर, सेठ अंकुर राठौर, मुकेश राठौर, नीरज राठौर, सेठ रोहित राठौर, संजीव राठौर, सेठ सौरभ राठौर, जितेंद्र राठौर,राहुल राठौर, आकाश राठौर, मनोज राठौर, सुमित राठौर, देवेन्द्र राठौर आदि मौजूद रहे।वही मारकंडेश्वर तिराहे पर भाजपा नगर अध्यक्ष अंजु अग्रवाल, पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, कोषाध्यक्ष अनिल कपूर, आदि पार्टी कार्यकर्ताओ ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अशोक राठौर को विजय बनाने का संकल्प लिया।

पोस्टर और मॉडल प्रदर्शनी के माध्यम से हृदय रोगों के बारे में किया जागरूक

सेठ बदीप्रसाद महाविद्यालय के अस्पताल में हुआ पोस्टर एवं मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

कोंच विश्व हृदय दिवस पर महेशपुरा रोड स्थित सेठ बदीप्रसाद महाविद्यालय के अस्पताल में पोस्टर एवं मॉडल प्रदर्शनी के माध्यम से छात्र छात्राओं को हृदय संबंधी रोगों के प्रति जागरूक किया गया। महाविद्यालय के कोऑर्डिनेटर कन्हैया नीखर के आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में जीएनएम विभाग के छात्र छात्राओं ने हृदय से संबंधित पोस्टर एवं मॉडल प्रस्तुत कर हृदय की संरचना, कार्यप्रणाली, एवं हृदय को स्वस्थ रखने से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश देकर जागरूक किया। जीएनएम विभाग की जया सरोज, डॉ. आरडी सिंह ने पोस्टरों एवं मॉडलों का अवलोकन कर छात्र छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उनकी रचनात्मकता एवं विषय की समझ को लेकर प्रोत्साहित किया। अस्पताल की चिकित्सा टीम द्वारा उपस्थित लोगों के ब्लड प्रेशर सहित अन्य स्वास्थ्य जांचे भी की गईं। डॉ. रामदेव व डॉ. शिवम ने जागरूक करते हुए कहा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद, तनाव पर नियंत्रण आवश्यक है। इस दौरान जीएनएम विभाग से राम, राहुल तिवारी आदि मौजूद रहे।



पालिका में स्टाफ और सफाई कर्मचारियों के लिए लगा स्वास्थ्य शिविर

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर पालिका परिषद कोंच में नगर पालिका के समस्त स्टाफ एवं सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य नगर पालिका में कार्यरत कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच करना और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना रहा। स्वास्थ्य शिविर में कर्मचारियों ने पहुंचकर विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांच कराई और चिकित्सकों से परामर्श लिया।शिविर के दौरान नगर पालिका के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों तथा सफाई कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकीय टीम ने कर्मचारियों की सामान्य स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली और आवश्यकतानुसार जांच एवं चिकित्सकीय सलाह दी। सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया, क्योंकि वे नगर की स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने के लिए प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करते हैं।स्वास्थ्य जांच शिविर में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनिल शाक्य मौजूद रहे। उनके निर्देशन में चिकित्सा टीम ने कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान नेत्र चिकित्सक राजेश निरंजन ने कर्मचारियों की आंखों से संबंधित जांच की और आवश्यक सुझाव दिए। शिविर में स्वास्थ्य कर्मियों ने भी अपनी जिम्मेदारियां



निभाते हुए कर्मचारियों की जांच प्रक्रिया में सहयोग किया।शिविर में सीएचसी प्रभारी अनिल शाक्य सर्वेश कुमार, रेखा कुशवाहा, डॉ. सागर, वार्ड बॉय दीपू पेंटर, महेंद्र नागाइच, सुशील यादव, प्रहलाद कुशवाहा सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मों उपस्थित रहे। टीम के सदस्यों ने कर्मचारियों की जांच में सहयोग किया और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई।

नगर पालिका में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में कर्मचारियों के स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता पर भी जोर दिया गया। चिकित्सकों ने कर्मचारियों को नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराने तथा किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर समय रहते चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए कहा। विशेष रूप से रोजाना फील्ड में काम करने वाले सफाई कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी गई। शिविर के दौरान कर्मचारियों ने स्वास्थ्य जांच को उपयोगी बताया। कर्मचारियों का कहना रहा कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से शरीर में

होने वाली किसी भी समस्या का समय रहते पता लगाया जा सकता है। नगर पालिका स्तर पर इस तरह के शिविर आयोजित होने से कर्मचारियों को कार्यस्थल पर ही स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं और चिकित्सकीय परामर्श मिल जाता है।नगर की सफाई व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सफाई कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। ऐसे में उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी आवश्यक मानी जाती है। इसी उद्देश्य से आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में नगर पालिका के कर्मचारियों ने उत्साह के साथ सहभागिता की।शिविर के माध्यम से कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ समय पर जांच और उपचार के महत्व की जानकारी भी दी गई। स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम के दौरान मौजूद चिकित्सकीय टीम ने कर्मचारियों की समस्याओं को सुना और आवश्यकतानुसार उचित परामर्श दिया। कार्यक्रम के अंत में कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं बेहतर कार्यक्षमता को लेकर जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

ग्राम सिमिरिया डकैती कांड-डकैती के आरोपी को रिमांड पर लाई पुलिस, निशानदेही पर गहने किए बरामद

(यंग भारत न्यूज)

कोंच ग्राम सिमिरिया में जन्माष्टमी की रात बुजुर्ग दंपति को बंधक बनाकर तमंचे की नोक पर उनके घर में डाली गई डकैती के अभियुक्त को कोतवाली पुलिस ने न्यायालय से रिमांड पर लेकर अभियुक्त की निशानदेही पर आभूषण बरामद किए हैं। इस मामले में कोतवाली पुलिस तीन अभियुक्तों को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेज चुकी है जबकि एक अभियुक्त अभी भी फरार चल रहा है। जन्माष्टमी की रात रेलवे से सेानिवृत्त कर्मचारी रघुवीर अहिरवार के घर में नकाबपोश बदमाशों ने रघुवीर व उसकी पत्नी सिमकुरा को बंधक बना लिया था और मुंह में कपड़ा टूंस कर हाथ पैर बांध दिए थे। उसके बाद अंदर रखे चक्के में से सोने चांदी के आभूषण और नकदी साफ कर दी थी। बदमाश सिमकुरा के नाक से सोने की कोल व पैरों से पायल की उतार ले गए थे। कोतवाली पुलिस ने दो दिन के अंदर ही तीन अभियुक्तों रवि अहिरवार निवासी गांधी नगर कोंच, जमील अहमद निवासी कांशीराम कालौनी कोंच व पड़ोसी प्रमोद उर्फ चीकू निवासी सिमिरिया को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया था जिसमें रवि अहिरवार के पैर में गोली लाग गई थी। लेकिन दो आरोपी लक्ष्मीकांत और शिवम फरार कर रहे थे। कुछ दिन बाद लक्ष्मीकांत न्यायालय में हाजिर हो गया। कोतवाली पुलिस ने अभियुक्त लक्ष्मीकांत को न्यायालय से नौ घंटे की रिमांड पर लिया और उसकी निशानदेही पर पंजानन चौराहे के आगे कोंच-नदीगांव रोड पर बने बाइपास पर एक प्लॉट से 6 चांदी के लच्छा, 4 चांदी के सिक्के, 1 जोड़ी पायल बरामद कर लीं। जबकि उसने हिस्से में मिले पैसों को खर्च कर लिया था।इस संबंध में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर नौ घंटे की रिमांड मिली थी। अभियुक्त की निशानदेही पर माल बरामद कर उसे फिर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि फरार चल रहे शिवम निवासी दतिया की तलाश में पुलिस लगी हुई है, जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा।

बकाया बिजली बिल को लेकर विभाग सख्त, कई कनेक्शन काटे

कोंच विद्युत विभाग द्वारा बुधवार को नगर के विभिन्न मुहल्लों में बकाया विद्युत बिल वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ वसूली अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभागीय टीम ने बकायेदार उपभोक्ताओं से बिल जमा करने की अपील की तथा लंबे समय से बकाया चल रहे कनेक्शनों पर कार्रवाई करते हुए कई विद्युत कनेक्शन काट दिए वहीं अभियान के दौरान कुछ उपभोक्ताओं ने मौके पर ही अपने बकाया बिल की आंशिक राशि जमा की। विभाग की कार्रवाई से बकायेदार उपभोक्ताओं में हड़कंप की स्थिति रही वसूली अभियान का नेतृत्व जेई देवेन्द्र कुमार उपाध्याय ने किया। उनके साथ अमित कुशवाहा, सूरज कुशवाहा, प्रदीप झा, दिनेश, के.के. पटेल सहित विद्युत विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

जनसुनवाई में सुनी फरियाद, उसी ही दिन लौटी सुनने की खुशी

75 व्षीय प्रताप शुक्ला को तत्काल मिली कान की मशीन, राहत से भावुक हुए बुजुर्ग ने वीडियो संदेश के जरिए मुख्यमंत्री जी का जताया आभार

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जिलाधिकारी समीर की जनसुनवाई में दर्ज हुई एक बुजुर्ग की परेशानी अगले ही दिन समाधान में बदल गई। कुठौद निवासी 75 वर्षीय प्रताप शुक्ला ने मंगलवार को जनसुनवाई में सुनने में परेशानी की समस्या जिलाधिकारी के सामने रखी थी। उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक परीक्षण कराकर कान की मशीन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। निर्देशों पर स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता दिखाते हुए बुधवार को ही प्रताप शुक्ला का परीक्षण कराया और उन्हें आवश्यकतानुसार कान की मशीन उपलब्ध करा दी।समयबद्ध कार्रवाई से राहत मिलने के बाद प्रताप शुक्ला ने स्वयं वीडियो बनाकर अपनी खुशी व्यक्त की और मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि उनकी समस्या को जनसुनवाई में गंभीरता से सुना गया और बिना किसी देरी के उसका समाधान कराया गया। उनके लिए यह सहायता केवल एक मशीन मिलने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सुनने की क्षमता में सुधार के समर्थन के जीवन में नई सुविधा और आत्मविश्वास का माध्यम बन।

प्रताप शुक्ला को उसी दिन मिली सहायता ने जनसुनवाई को उस भावना को भी रेखांकित किया, जिसमें किसी समस्या का समाधान केवल दर्ज करना नहीं, बल्कि जरूरतमंद व्यक्ति को वास्तविक राहत पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में संकल्प सेवा स्वास्थ्य केंप का आयोजन सफाई कर्मियों को स्वच्छता किट का वितरण

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में संकल्प सेवा स्वास्थ्य केंप का आयोजन किया गया। वहीं, ब्लॉक परिसर में सफाई कर्मियों को स्वच्छता किट का वितरण किया गया। नगर पालिका में संकल्प सेवा अभियान के तहत सीएचसी की टीम में डॉ. सहन बिहारी गुप्ता, एल.टी विजय राव, . ट्रेनी फार्मा शिवम, कांसेलर प्रतिल रेड्डी, आयुष्मान मित्र राघवेंद्र द्वारा स्वास्थ्य केंप का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि पुनीत मिलत व ईओ सुशील कुमार दोहरे ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में नगर पालिका कर्मचारियों के साथ आसपास के लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया। जिसमें कुल 106 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में शुगर, बीपी, एचआईवी जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। साथ ही पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। मरीजों को सात दिन की निशुल्क दवा का भी वितरण किया गया। उधर, ब्लॉक सभागार में संकल्प सेवा के तहत सफाई कर्मियों को सुरक्षा किट का वितरण किया गया। जिसमें जूते, रेडियम जैकेट, टोपी, शॉल आदि सामान सफाई कर्मियों को उपलब्ध कराया गया। साथ ही काम के दौरान वितरित किए गए सुरक्षा सामान को पहनकर हो काम करने की अपील की गई। ब्लॉक क्षेत्र में संकृष्ट कार्य करने वाले नौ सफाई कर्मियों को सुरक्षा किट उपलब्ध कराई गई। एडीओ पंचायत महेंद्र कुमार ने बताया कि संकल्प सेवा अभियान के तहत उन्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई कर्मियों को सुरक्षा किट उपलब्ध कराई गई है।

गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कार्यक्रम आयोजित मेवे, घी आदि प्रदान कर स्वस्थ खानपान के प्रति जागरूक किया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। ब्लॉक परिसर में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को पोषण किट के साथ फल, मेवे, घी आदि प्रदान कर स्वस्थ खानपान के प्रति जागरूक किया गया। वहीं, आयुर्वेदिक चिकित्सालय की ओर से स्वास्थ्य शिविर लगाकर महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और नियमित जांच कराने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के दौरान जग्नेबा निवासी रजनी देवी की गोदभराई कराई गई। इस दौरान उन्हें पोषण किट के साथ फल, मेवे, घी आदि दिए गए। मौजूद विभागीय कर्मचारियों ने गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार लेने, समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने और चिकित्सकों की सलाह का पालन करने के लिए प्रेरित किया। गोदभराई कार्यक्रम के माध्यम से आयुर्वेदिक चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पूजा राजपूत ने गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान खानपान और स्वास्थ्य देखभाल के महत्व की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि मां और गर्भवत्य शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक भोजन लेना जरूरी है। भोजन में हरी सब्जियां, मौसमी फल, दाल, दूध और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल करने पर जोर दिया गया। साथ ही आपरन और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों को लेकर भी जागरूक किया गया। प्रभारी सीडीपीओ डॉली निरंजन ने महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान संतुलित आहार लेने के साथ ही साफ-सफाई का ध्यान रखने और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए प्रेरित किया। आयुर्वेदिक चिकित्सालय की टीम द्वारा महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवा का वितरण किया।

एचआईवी एड्स से बचाव को लेकर ग्रामीणों को किया जागरूक

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर कालपी तहसील क्षेत्र के ग्राम जोल्हपुर में एचआईवी एड्स की रोकथाम एवं बचाव को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला चिकित्सालय की काउंसलर अर्चना राठौर के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में भ्रमण कर ग्रामीणों को एचआईवी एवं एड्स से बचाव के उपायों की जानकारी दी।

काउंसलर अर्चना राठौर ने ग्रामीणों को एचआईवी संक्रमण के कारणों, बचाव के उपायों तथा समय पर जांच एवं उपचार के महत्व के बारे में जागरूक किया। इसके बाद गांव के परिषदीय विद्यालय परिसर में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को एचआईवी एड्स से संबंधित जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रधान प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह, प्रधानाचार्य सुरेश उपाध्याय, रविंद्र सिंह, विवेक सिंह, अरविंद राठौर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं महिलाएं मौजूद रहीं।

कांसेलर अर्चना राठौर ने ग्रामीणों को एचआईवी संक्रमण के कारणों, बचाव के उपायों तथा समय पर जांच एवं उपचार के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर पीएलवी कमलेश कुमार ने सरकार के द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। चुरखी के नायब तहसीलदार प्रिंस बाबू ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। इस अवसर पर पीएलवी कमलेश कुमार ने सरकार के द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुशील कुमार ने न्यायिक अधिकारियों का स्वागत किया। शिविर में शिक्षक, शिक्षिकाओ, विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कांसेलर अर्चना राठौर ने ग्रामीणों को एचआईवी संक्रमण के कारणों, बचाव के उपायों तथा समय पर जांच एवं उपचार के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर पीएलवी कमलेश कुमार ने सरकार के द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। चुरखी के नायब तहसीलदार प्रिंस बाबू ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। इस अवसर पर पीएलवी कमलेश कुमार ने सरकार के द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुशील कुमार ने न्यायिक अधिकारियों का स्वागत किया। शिविर में शिक्षक, शिक्षिकाओ, विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

सामुदायिक भवन चमारी का एसडीएम ने निरीक्षण कर जरूरी निर्देश दिये

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। एसडीएम विनय कुमार मौर्य ने ग्राम चमारी में निर्माणधीन सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी ने भवन निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता तथा कार्यों का जायजा लेकर जिम्मेदारों को आवश्यक निर्देश दिए। उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि भवन के शेष कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाए। निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा किसी भी स्तर पर मानकों से समझौता न करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि भवन के सभी आवश्यक कार्य पूर्ण होने के उपरांत उसे नियमानुसार हैंडओवर किया जाए, ताकि स्थानीय ग्रामीणों को सामुदायिक भवन का लाभ प्राप्त हो सके। इस दौरान दौरान खंड विकास अधिकारी संदीप मिश्रा, पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सिद्धिध परिस्थितयो में फंदे पर महिला का शव लटका मिला

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला गांधीनगर में मंगलवार देर शाम एक 36 वर्षीय महिला का शव घर के अंदर सिद्धिध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर जांच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।[जानकारी के अनुसार, मुहल्ला गांधीनगर निवासी श्याम जी लोहिया की पत्नी आशा देवी उर्फ रंकी उम्र 36 वर्षें मंगलवार को शाम अपने घर पर अकेली थी जबकि उसके दो बेटे और एक बेटे (सभी नाबालिग) द्यूशुन पढ़ने के लिए घर से बाहर निकले थे प्रति भी रोज की तरह काम से घर बं बाहर था। शाम को बच्चे द्यूशुन पढ़कर तपास घर लौटे तो उन्होंने देखा कि छत पर लगे जांसे से साड़ी के कपड़े के सहारे उनकी मां का शव झूल रहा है, यह देख बच्चे चौंखे पड़े और बाहर आकर लोगों को बताया। पड़ोस के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच की और फिर शव को नीचे उतारकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार मृतक आशा देवी मार्नविक रूप से कमजोर थी। वहीं बताया जा रहा है कि श्याम की पहली पत्नी ने करीब 14 साल पहले आग लगाकर आत्महत्या कर ली थी, जिसके करीब 2 साल बाद श्याम ने आशा देवी उर्फ रंकी से शादी की थी। पहली पत्नी से कोई संतान नहीं थी। मृतका आशा देवी का मायका कन्या कोंच के मुहल्ला प्रताप नगर में है और पति श्याम कस्बे में नदीगांव रोड पर खाने-पीने का होटल खोले हुए है। घटना को लेकर प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप सिंह का कहना है कि मृतक महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मृत्यु के बारे में स्पष्ट हो सकेगा।

कूड़ा डालने को लेकर खूनी संघर्ष, धारदार हथियार और ईंट-पत्थर से हमला, युवक मेडिकल कॉलेज उरई में भर्ती

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। जालौन कोतवाली नगर के मोहल्ला चिमनदुबे में कूड़ा डालने को लेकर मंगलवार रात 11 बजे दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। पीड़ित नक्ष ने दूसरे पक्ष पर धारदार हथियार और ईंट-पत्थर से हमला करने का आरोप लगाया है। घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे नाजुक हालत में मेडिकल कॉलेज उरई में भर्ती कराया गया है।

जालौन कोतवाली के मोहल्ला चिमनदुबे निवासी असलम पुत्र शकूर ने बुधवार दोपहर 2 बजे कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाले तुफैल अहमद और उनके पुत्र खुर्शीद, तौफीक, उमर, जुबैर व इकबाल कूड़ा डालने को लेकर मंगलवार रात 11 बजे विवाद करने लगे। असलम के अनुसार, जब उसने कूड़ा डालने से मना किया तो आरोपियों ने उसके नंगे शरीर पर और उसके भतीजे रहीश के पदों पर इमरान के साथ मारपीट शुरू कर दी। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि इसी दौरान खुर्शीद घर के अंदर से चाकू लेकर आया और असलम व उसके भतीजों पर हमला कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने ईंट-पत्थर से भी मारपीट की। घटना में असलम, रहीश और इमरान के घायल होने की बात कही गई है। बीच-बचाव करने पहुंचे इरफान को भी चोट लगने का आरोप है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मारपीट के बाद एक युवक हाथ में चाकू लिए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। पीड़ित ने पुलिस से सभी आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर घायलों का मेडिकल परीक्षण कराने और कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल तहरीर के आधार पर पुलिस मामले को जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। पुलिस की जांच के बाद ही मारपीट की घटना और आरोपों की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चाक चौबंद इंतजाम के बीच सरस्वती विद्या मंदिर में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सदर बाजार कालपी में चाक चौबंद इंतजाम के बीच निर्धारित परीक्षा कार्यक्रम के अनुरूप अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं का शुभारंभ हुआ। परीक्षा के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को अनुशासन, समयबद्धता और पूर्ण मनोयोग के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया।

परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए परीक्षा प्रभारी अर्पित सोनी के साथ समन्वय आचार्य एवं आचार्या अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। विद्यालय के प्रबंधक हरिभूषण सिंह ने विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। परीक्षा संबंधी गतिविधियों में रमेश चंद्र द्वारा भी दायित्व का निर्वहन किया जा रहा है। प्रधानाचार्य ने बताया कि परीक्षाओं नक़ल विहीन तथा शांति पूर्वक सम्पन्न कराने के लिये परीक्षा कक्षों में पुख्ता इंतजाम किये गये हैं।

बाबई में जमीन में बने गड्ढे की कराई बैरीकेडिंग, मिट्टी पुराव का काम शुरू

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। तहसील कालपी क्षेत्र के ग्राम बाबई में जमीन में अचानक बने गड्ढे को लेकर प्रशासन ने तत्काल सुरक्षा व्यवस्था कराई। उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य के निर्देश पर नायब तहसीलदार प्रिंस सिंह राजपूत तथा राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर गड्ढे के चारों ओर बैरीकेडिंग कराते हुए रास्ता बंद करा दिया। साथ ही पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि कोई व्यक्ति अथवा पशु गड्ढे के आसपास न पहुंच सके। तहसीलदार श्रीप कुमार मिश्रा ने बताया कि क्षतिग्रस्त स्थान पर मिट्टी पुराव का कार्य शुरू करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया यह गड्ढा प्राचीन काल में अनाज भंडारण के लिए बनाए जाने वाले गड्ढों की तरह प्रतीत हो रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से मौके पर आवश्यक इंतजाम किए गए हैं और गड्ढे को भरने का कार्य कराया जा रहा है।



अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने के निर्देश

जनहानि, पशुहानि एवं मकान क्षति से प्रभावित परिवारों को नियमानुसार तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराया जाए:- मुख्य सचिव

(यंग भारत न्यूज)
झाँसी। मुख्य सचिव श्री एस.पी. गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित कर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं राहत कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विशेष रूप से चक्रवात के कारण हुई अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों को राहत एवं मुआवजा उपलब्ध कराने, फसल क्षति के आकलन, डॉ. आम्बेडकर मूर्ति स्थल विकास योजना तथा पीएम ई-ड्राइव के अंतर्गत चार्जिंग स्टेशन की स्थापना की प्रगति की समीक्षा की गई।
मुख्य सचिव ने चक्रवात के कारण हुई अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि जनहानि, पशुहानि एवं मकान क्षति से प्रभावित परिवारों को नियमानुसार तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा के कारण जिन लोगों के मकान गिर गए हैं, उन्हें भी जल्द से जल्द अनुमन्य मुआवजा दिया जाए तथा पात्रता का परीक्षण कर उन्हें आवास योजना से लाभान्वित कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल क्षति का शीघ्र आकलन



कारकर प्रभावित किसानों को यथाशीघ्र मुआवजा राशि का वितरण सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि राहत कार्यों के लिए बजट की पर्याप्त उपलब्धता है। जिन जनपदों के पास आवश्यक धनराशि उपलब्ध नहीं है, वे तत्काल बजट की मांग का पत्र शासन को भेजें, ताकि राहत कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और तत्परता के साथ संचालित किए जाएं। राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अतिवृष्टि से फसलों को हुई क्षति के संबंध में प्राप्त आवेदनों का बीमा कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जल्द से जल्द निस्तारण कराने के भी निर्देश

दिए। डॉ. आम्बेडकर मूर्ति स्थल विकास योजना की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने पाया कि कुछ जनपदों में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अभी आवेदन पत्र प्राप्त नहीं हुए हैं। उन्होंने संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों से संपर्क एवं समन्वय स्थापित कर तत्काल आवश्यक आवेदन पत्र प्राप्त किए जाएं। आवेदन पत्र प्राप्त होने के बाद सभी आवश्यक औपचारिकताएँ तत्परता से पूर्ण कराते हुए विकास कार्य प्रारम्भ कराया जाए। बैठक में बताया गया कि श्रावस्ती जनपद में सभी 8 मूर्ति स्थलों के विकास कार्य प्रारम्भ कर दिए गए हैं। पीएम ई-ड्राइव योजना की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने चार्जिंग स्टेशन की स्थापना की प्रगति की जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि एनसीआर एवं नॉन-एनसीआर क्षेत्रों में चिन्हित 238

लोकेशन के सापेक्ष अब तक 99 एमओयू पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं, जबकि 139 लोकेशन के एमओयू शेष हैं। मुख्य सचिव ने शेष सभी एमओयू की हस्ताक्षर प्रक्रिया को त्वरित गति से पूर्ण कराने के कड़े निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि पीएम ई-ड्राइव के द्वितीय फेज के अंतर्गत चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए 1500 लोकेशन के चिन्हीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने जनपदों में सार्वजनिक स्थलों, बड़े कार्यालयों, बस स्टेशनों, इंस्ट्रियल पार्कों, शिक्षण संस्थानों, मॉल, ढाबों, पार्किंग स्थलों सहित अन्य उपयुक्त स्थानों का चिन्हीकरण कर संबंधित विभाग को प्रस्ताव शीघ्र प्रेषित करें, ताकि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आवश्यक चार्जिंग अवसंरचना के विकास की कार्यवाही समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाई जा सके। बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण सहित एनआईसी झांसी में मंडलायुक्त श्री बिमल कुमार दुबे,आईजी श्री आकाश कुलहरि, जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी, एसएसपी श्री विकास कुमार आदि उपस्थित रहे।

संघर्ष सेवा समिति में मनाया गया अनुपमा सिंह लोधी का जन्मदिन, डॉ. संदीप के सामाजिक कार्यों को सराहा

(यंग भारत न्यूज)
झाँसी। राज्य महिला आयोग की सदस्य अनुपमा सिंह लोधी का जन्मदिन संघर्ष सेवा समिति कार्यालय में उत्साह, आत्मीयता और सादगी के साथ मनाया गया। संघर्ष सेवा समिति के सामाजिक कार्यों से प्रभावित होकर अनुपमा सिंह लोधी ने अपना जन्मदिवस समिति कार्यालय में मनाने का साराहना करते इस अवसर पर समिति के संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी सहित समिति के सदस्यों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल जीवन की कामना की।
कार्यक्रम के दौरान केक काटकर जन्मदिन की खुशियां साझा की गईं। इस अवसर पर अनुपमा सिंह लोधी ने संघर्ष सेवा समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि डॉ. संदीप सरावगी समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। विशेष रूप से महिलाओं



के हित में उनके प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. संदीप सरावगी द्वारा जरूरतमंद लोगों की सहायता के साथ-साथ कई बहनों के विवाह में सहयोग किया गया है और महिलाओं को

रोजगार से जोड़ने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्गों की सेवा के लिए इस प्रकार निरंतर कार्य करना अपने आप में प्रेरणादायक है।

इस अवसर पर अनुपमा सिंह लोधी ने डॉ. संदीप सरावगी का तिलक कर उनके सामाजिक कार्यों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संघर्ष सेवा समिति जिस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों की सहायता के लिए कार्य कर रही है, वह सराहनीय है और ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। समिति के संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी ने अनुपमा सिंह लोधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका समाज और महिला हितों के लिए सक्रिय रहना प्रेरणादायी है। उन्होंने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर सामाजिक योगदान की कामना की। कार्यक्रम में निधि, रिडि, रूपाली, पलक, सौरभ सिंह, लखन लाल, मुस्कान विश्वकर्मा, प्रभाकर खरे, प्रोफेसर अरुनीश कुमार, द्वारका दास परिहार और अशोक कुमार सहित संघर्ष सेवा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अतिवृष्टि से प्रभावित फसलों के बीमित कृषकों को 25 प्रतिशत तात्कालिक सहायता राशि का मिलेगा लाभ

(यंग भारत न्यूज)
झाँसी:उप कृषि निदेशक ने अवगत कराया है कि खरीफ मौसम 2026 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत अतिवृष्टि के कारण तहसीलवार गठित समितियों द्वारा 50 प्रतिशत से अधिक क्षति वाली फसलों में मध्यावधि आकलन किया गया है। मध्यावधि आकलन के आधार पर प्रभावित कृषकों को 25 प्रतिशत तात्कालिक सहायता राशि के भुगतान हेतु निदेशक, कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा, उत्तर प्रदेश द्वारा पत्र प्रेषित किया गया है। उन्होंने बताया कि जनपद में फसलवार औसत क्षति का विवरण में तिल की फसल 75-80 प्रतिशत क्षतिग्रस्त, मूंग 60-65 प्रतिशत क्षतिग्रस्त एवं उड़द 65-70 प्रतिशत क्षतिग्रस्त हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रभावित बीमित कृषकों को 30 दिवस के भीतर क्षतिपूर्ति का भुगतान किया जाएगा। शेष क्षतिपूर्ति फसल कटाई के आधार पर निर्धारित कर भुगतान की जाएगी।

साधु के भेष में जमीन सौदे का आरोप, दो महिलाओं से लाखों की धोखाधड़ी के मामले दर्ज न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने महंत समेत दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शुरु की जांच

(यंग भारत न्यूज)
झाँसी। साधु-संतों के प्रति आस्था का फायदा उठाकर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए दो महिलाओं ने न्यायालय की शरण ली। दोनों महिलाओं ने अलग-अलग शिकायती पत्रों में एक साधु के भेषधारी महंत पर जमीन दिलाने के नाम पर लाखों रुपये लेने और बाद में रजिस्ट्री न कराने का आरोप लगाया है। न्यायालय के आदेश पर शहर कोतवाली पुलिस ने महंत वैदेही बल्लभ शरण और ओम प्रकाश गिरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। गांधीघर टपरा निवासी अंजली पांडे ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दिए शिकायती पत्र में बताया कि महंत वैदेही बल्लभ शरण का उनके घर आना-जाना था। आरोप है कि महंत ने बड़ागांव गेट बाहर बाबा का अटा क्षेत्र में जमीन दिलाने की बात कहकर जमीन मालिक ओम प्रकाश गिरी से उनकी मुलाकात कराई। जमीन की कीमत दस लाख रुपये बताई गई। अंजली का आरोप है कि महंत के कहने पर उन्होंने ओम प्रकाश गिरी को आठ लाख रुपये दे दिए। आरोप है कि 11 फरवरी 2026 को रजिस्ट्री कराने के लिए कहने पर महंत ने कथित रूप से अभद्रता करते हुए रुपये लौटाने से इनकार कर दिया। साथ ही जान से मारने और परिवार को बूटे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। वहीं, शालिनी पांडे ने भी अदालत में शिकायत कर आरोप लगाया कि जमीन का सौदा कराने के नाम पर महंत ने उसे ऑनलाइन भुगतान और नकद रुपये लिए, लेकिन बाद में रजिस्ट्री नहीं कराई। रजिस्ट्री की मांग करने पर कथित रूप से धमकी दी गई। अदालत ने दोनों शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए 14 सितंबर को कोतवाली पुलिस को मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपों की जांच शुरु कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सैरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ ७३००२.2262०1, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित **प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव** फोन न. +919415055318 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718

पुस्तक से स्क्रीन तक बदलता विद्यार्थी जीवन

(यंग भारत न्यूज)

दोस्तों एक समय था जब क्रिताबें सिर्फ पढ़ाई का साधन मात्र नहीं, अपितु एक विद्यार्थी की दुनिया हुआ करती थीं। उसके बस्ते में रखी पुस्तकें, कॉपियों के पन्ने, पेंसिल की नोक और किताब के बीच रखी छोटी-सी एक पर्ची ये सब मिलकर सीखने की एक अलग ही दुनिया रचते थे। शायद हम में से भी बहुतों ने ऐसा ही विद्यार्थी जीवन जीया हो जब किसी प्रश्न के उत्तर को ढूँढ़ने के लिए पन्ने पलटने पड़ते थे। सोचना पड़ता था और अध्ययन का हिस्सा बन चुकी है जिसमें ,एक स्पर्श पर पाठ सामने है, एक क्लिक पर उत्तर उपलब्ध है और कुछ ही क्षणों में असंख्य सूचनाएँ निकलकर उसके सामने आ जाती हैं।
एक शिक्षिका होने के नाते मैं मानती हूँ कि ,निस्संदेह तकनीक ने शिक्षा के द्वार विस्तृत किए हैं,किंतु यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है जो शिक्षक एवं विद्यार्थी हेतु विचारणीय है.....!
क्या जानकारों का मिल जाना ही सीख जाना है.....? स्क्रीन उत्तर दे तो सकती है,पर यह आवश्यक नहीं कि वह विद्यार्थी को उस उत्तर का अर्थ भी समझा दे। वह तथ्य तो प्रस्तुत कर सकती है, किंतु उसके सही-गलत होने पर विचार करने की विवेक-दृष्टि नहीं दे सकती। वह पाठ तो दिखा सकती है, किंतु उस विद्यार्थी के मन की उलझन को देखकर अपनी पद्धति बदलने वाली संवेदनशीलता उसमें नहीं ...!
और.....फिर ऐसे में.....! यहाँ एक शिक्षक की भूमिका इस स्क्रीन से कहीं आगे निकल जाती है। शिक्षक!
जो हां



दोस्तों! वह शिक्षक मात्र पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति ही नहीं अपितु वह अपने विद्यार्थी के चेहरे पर छुपी परेशानी और ह्रिद्धक को पढ़ता है, उसकी आँखों में दिखाई देने वाली जिज्ञासा को पहचानता है और उसकी गलतियों में छुपी सीख को समझता है। यदि उसकी कक्षा का कोई विद्यार्थी चुप है तो वह उसकी कक्षा का हिस्सा बन चुकी है जिसमें उसके मौन को भी पढ़ने का प्रयास करता है। किसी विद्यार्थी को एक ही बात समझने में कठिनाई हो तो वह शिक्षक अपनी भाषा, उदाहरण और तरीका बदलकर समझाता है। माना स्क्रीन सभी विद्यार्थियों को एक जैसी सामग्री तो दिखा सकती है,लेकिन शिक्षक प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी आवश्यकता उसके फायदे नुकसान के अनुसार समझा सकता है। स्क्रीन जानकारी देती है तो शिक्षक उस जानकारी को ज्ञान में बदलने की प्रक्रिया सिखाता है। स्क्रीन यदि प्रश्न का उत्तर दिखा सकती है तो शिक्षक विद्यार्थी में प्रश्न करने की क्षमता जगाता है।
और इस सबसे भी महत्वपूर्ण.....!
स्क्रीन विषय पढ़ा तो सकती है, लेकिन!
जीवन का पाठ तो एक शिक्षक ही पढ़ाता है।वह सिर्फ यह नहीं बताता कि क्या सही है, अपितु यह भी समझाता है कि सही को जीवन में कैसे उतारना है। अनुशासन, सहयोग, संवेदना, धैर्य, सत्यनिष्ठा और जिम्मेदारी जैसे समस्त

जीवन-मूल्य ,मात्र किसी वीडियो से पूरी तरह आत्मसात नहीं होते। उनके लिए जीवंत उदाहरण, संवाद और निरंतर अभ्यास आवश्यकता होती है।और ...!
इसमें शिक्षक की भूमिका केंद्रीय थी है और आगे भी रहेगी। इसलिए तकनीक शिक्षक की प्रतिस्पर्धी नहीं, शिक्षक के हाथों में एक प्रभावी साधन होनी चाहिए। हमें ऐसा विद्यार्थी नहीं चाहिए जो हर प्रश्न का उत्तर कुछ ही सेकंड में ढूँढ़ ले। हमें तो ऐसा विद्यार्थी चाहिए जो उत्तर मिलने के बाद भी पूछे.....!
'क्यों?'
'कैसे?' और
'क्या यह सही है?'
और उस प्रश्न को जन्म देने, उसे दिशा देने तथा विद्यार्थी को स्वयं उत्तर खोजने योग्य बनाने का कार्य एक शिक्षक ही है जो सबसे प्रभावी ढंग से कर सकता है। क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ जानकारी और ज्ञान से भरा मस्तिष्क ही नहीं, अपितु विचारशील, विवेकशील, संवेदनशील और जिम्मेदार मनुष्य का निर्माण है। जहां स्क्रीन ज्ञान तक पहुँच का माध्यम है,शिक्षक उस ज्ञान को दृष्टि देता है....., दिशा देता है....! और जीवन-मूल्यों से जोड़ता है। इसलिए बदलते विद्यार्थी जीवन में तकनीक का स्वागत तो हो पर साथ ही पुस्तक का सम्मान बना रहे और शिक्षक की भूमिका और अधिक सशक्त बने। क्योंकि.....स्क्रीन सीखने का साधन तो हो सकती है,लेकिन वह विद्यार्थी में उस सीखने की चेतना को जागृत का कार्य नहीं कर सकती।और शायद यही वह अंतर है जो जानकारी पाने वाले विद्यार्थी और जीवन को समझने वाले विद्यार्थी के बीच पुल बनाता है।

जय सियाराम जी की **सीमा शर्मा तमन्ना (शिक्षिका एवं साहित्यकार)** **नोएडा उत्तर प्रदेश**

मरीजों को राहत दिलाने के लिए मेडिकल कॉलेज में नई एमआरआई मशीन लगाई जाए

विधायक जवाहर लाल राजपूत ने प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा को सौंपा पत्र

(यंग भारत न्यूज)
झाँसी। बुंदेलखंड के विभिन्न जनपदों से उपचार के लिए झाँसी आने वाले मरीजों की जांच संबंधी समस्याओं को लेकर ग्रामीण विधायक जवाहर लाल राजपूत ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र दिया है। विधायक ने महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झाँसी में नई एमआरआई मशीन उपलब्ध कराने तथा इमरजेंसी के पास स्थापित कराने की मांग की है। विधायक ने पत्र में कहा कि बुंदेलखंड के कई जनपदों के लोग उपचार के लिए झाँसी मेडिकल कॉलेज आते हैं।



गरीब मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ता है। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज में लगी मशीन खराब रहने की स्थिति में मरीजों को जांच के लिए 15-20 दिन तक इंतजार करना पड़ता है। वहीं, दूर-दराज से आने वाले कई मरीजों को एमआरआई, सीटी स्कैन एवं डिजिटल एक्सरा की रिपोर्ट के लिए भी 2-3 दिन

तक इंतजार करना पड़ता है। विधायक ने पत्र में कहा कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए समय पर जांच और रिपोर्ट उपलब्ध होना बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में मेडिकल कॉलेज में नई एमआरआई मशीन स्थापित होने और जांच की रिपोर्ट उसी दिन उपलब्ध होने से मरीजों को काफी राहत मिल सकती है। उन्होंने प्रमुख सचिव से मांग की कि मामले का शीघ्र संज्ञान लेते हुए झाँसी मेडिकल कॉलेज में मरीजों की जांच एवं उपचार के लिए नई एमआरआई मशीन इमरजेंसी के पास लगवाने तथा जांच की रिपोर्ट उसी दिन उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाए।

डाइट में तीन दिवसीय ‘सक्षम’ प्रशिक्षण का हुआ समापन प्रधानाध्यापकों ने सीखे विद्यालय प्रबंधन, शैक्षिक नेतृत्व एवं तनाव प्रबंधन के गुर

(यंग भारत न्यूज)
ललितपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), ललितपुर में प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं इंचार्ज प्रधानाध्यापकों के लिए आयोजित तीन दिवसीय ‘सक्षम’ प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन अवसर पर दीपक श्रीवास्तव, प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, ललितपुर ने प्रभावी विद्यालय प्रबंधन के लिए प्रधानाध्यापक का शैक्षिक नेतृत्व, सकारात्मक दृष्टिकोण, संवेदनशील व्यवहार एवं संतुलित कार्यशैली अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का विद्यालय स्तर पर प्रभावी उपयोग किए जाने से विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण के निर्माण के साथ विद्यार्थियों के सीखने के स्तर एवं सर्वांगीण विकास को भी गति मिलेगी। वरिष्ठ प्रवक्ता एवम प्रशिक्षण प्रभारी सीतोंप कुमार जी वर्मा जी द्वारा अपने उद्घोषण में बताया गया कि प्रधानाध्यापकों को विद्यालय संचालन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। इसमें प्रशासनिक, शैक्षिक, वित्तीय एवं सामुदायिक दायित्वों, बाल वाटिका से संबंधित कार्यों तथा प्रधानाध्यापक/इंचार्ज प्रधानाध्यापक के स्तर पर विद्यालय में किए जाने वाले आवश्यक कार्यों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित खंड शिक्षा अधिकारी मड़वावरा नरेश कुमार रावत एवं खंड शिक्षा अधिकारी जखौरा भुवनेंदु जी अरजरिया द्वारा विद्यालय में उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग, क्षमता निर्माण, शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार तथा सह-शैक्षिक गतिविधियों के बेहतर संचालन के संबंध में प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने कहा कि प्रधानाध्यापक विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को बेहतर बनाने के साथ-साथ शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं समुदाय के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



संदर्भ दाता प्रफुल्ल कुमार जैन द्वारा मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन पर विशेष चर्चा के दौरान मानसिक स्वास्थ्य, तनाव के कारणों, तनाव के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के कार्य-व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव तथा तनाव प्रबंधन के उपायों पर भी विशेष चर्चा की गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि विद्यालय प्रमुख की जिम्मेदारियों में केवल प्रशासनिक एवं शैक्षिक कार्य ही शामिल नहीं हैं, बल्कि विद्यालय में ऐसा सकारात्मक एवं सहयोगात्मक वातावरण विकसित करना भी आवश्यक है, जिसमें शिक्षक एवं विद्यार्थी मानसिक रूप से सुरक्षित और सहज महसूस कर सकें। चर्चा के दौरान कार्य के बढ़ते दबाव, समय प्रबंधन की कमी, अपेक्षाओं एवं जिम्मेदारियों के बीच संतुलन का अभाव, आपसी संवाद की कमी तथा व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक परिस्थितियों को तनाव के संभावित कारणों के रूप में समझाया गया। प्रतिभागियों को तनाव के प्रारंभिक स्थिति को पहचानने तथा समय रहते उचित प्रबंधन करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाध्यापकों को यह संदेश दिया गया कि स्वस्थ एवं तनावमुक्त कार्य वातावरण विद्यालय की कार्यक्षमता और शैक्षिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यालय प्रमुख स्वयं संतुलित एवं सकारात्मक व्यवहार का उदाहरण प्रस्तुत करें और विद्यालय के अन्य सदस्यों के साथ संवेदनशील एवं सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाएं। प्रशिक्षण में बाल वाटिका एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास से संबंधित दायित्वों पर भी विशेष चर्चा हुई। प्रतिभागियों को विद्यालय में उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए विद्यार्थियों में सीखने की क्षमता विकसित करने तथा सह-शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से उनके व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण में संदर्भदाता श्रीमती रेनू मधुरिया प्रफुल्ल कुमार जैन, मनीष खरे, कल्याण सिंह द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का संचालन एवं मार्गदर्शन संतोष कुमार वर्मा, वरिष्ठ प्रवक्ता एवं प्रशिक्षण प्रभारी, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, ललितपुर के निर्देशन में हुआ।